PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

दैनिक
भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-145 | झुंझुनू (राजस्थान) | रविवार, 19 अप्रैल, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'गलत धारणाएं हमें सीमित करती हैं, जबकि सही समझ हमें आगे बढ़ने की दिशा दिखाती है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

मोदी-शाह नहीं चाहते थे महिला आरक्षण बिल पास हो: गहलोत

विपक्ष को जानबूझकर विश्वास में नहीं लिया, ताकि बिल गिरने का ठीकरा फोड़ सकें

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । लोकसभा में महिला आरक्षण बिल गिरने के बाद बीजेपी की तरफ से विपक्ष को जिम्मेदार ठहराने पर पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने पलटवार किया है। गहलोत ने कहा- पीएम मोदी और अमित शाह जो चाहते थे, वही हुआ है। मोदी और शाह नहीं चाहते थे कि महिला आरक्षण बिल पास हो। अगर वो बिल पास करवाना चाहते तो विपक्ष के नेताओं से चर्चा करते। गहलोत जयपुर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

गहलोत ने कहा- पहले पारित हो चुके महिला आरक्षण कानून को रोकने के लिए एनडीए सरकार की तरफ से लाया गया विधेयक एक षड्यंत्र साबित हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह सहित पूरी सरकार को यह पहले दिन से मालूम था कि यह बिल विपक्ष के सहयोग के बिना पास नहीं हो सकता। इसके बावजूद विपक्षी पार्टियों से बात कर उन्हें विश्वास में नहीं लिया गया।

सर्वदलीय बैठक बुलाने की जगह विपक्ष में फूट डालने का प्रयास किया

गहलोत ने कहा- लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे लगातार इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग कर रहे थे। लेकिन इतने महत्वपूर्ण विषय पर प्रधानमंत्री ने सभी विपक्षी पार्टियों को एक साथ बुलाकर बात करने की बजाय अलग-अलग बात कर उनमें फूट डालने का प्रयास किया। दक्षिण के राज्यों और पश्चिम बंगाल की आशंकाओं को दूर करने के लिए केंद्र सरकार को वहां के मुख्यमंत्रियों को बुलाकर बात करनी चाहिए थी, जिससे एक भरोसा पैदा होता।

विपक्ष पर ठीकरा फोड़ने की साजिश

गहलोत ने कहा- एनडीए सरकार का बदनीयती से लाया गया बिल परिसीमन के लिए भी खतरनाक था। जिस तरह असम, जम्मू-कश्मीर में विपक्षी पार्टियों को निशाना बनाकर विधानसभा के लिए परिसीमन किया गया। उसके बाद एनडीए सरकार के किए जाने वाले परिसीमन पर कोई भरोसा नहीं कर सकता। भाजपा ने विधानसभा चुनावों के बीच सत्र बुलाकर और विपक्ष से संवादहीनता रखकर जानबूझकर ऐसी परिस्थितियां बनाईं जिससे यह बिल पास न हो सके और इसका ठीकरा विपक्ष पर फोड़ा जा सके।

पूरे देश में अपने हिसाब से परिसीमन करना चाहते थे लेकिन एक्सपोज हुए

गहलोत ने कहा- ये मनमाने तरीके से पूरे देश में परिसीमन करना चाहते थे। जिस तरह असम सहित कई राज्यों में किया है, उस परिसीमन पर सब विपक्षी सवाल उठा रहे हैं। उसी तर्ज पर ये पूरे देश में परिसीमन करना चाहते थे लेकिन एक्सपोज हो गए। देश की जनता सब समझती है, ये अपनी चाल में कामयाब नहीं हो पाएंगे। चलते चुनाव के बीच संसद सत्र बुलाने की क्यर आवश्यकता थी, इसका मतलब क्या था। जब विपक्ष मांग कर रहा था कि 29 अप्रैल को विधानसभा चुनाव की वोटिंग खत्म होने के बाद संसद सत्र बुला लीजिए लेकिन नहीं माने। इसका मतलब ये खुद नहीं चाहते थे कि बिल पारित हो।

चूरू में 42.4 डिग्री पहुंचा तापमान

पश्चिमी विक्षोभ से मौसम में बदलाव, गर्म हवाओं से लोग परेशान

भीम प्रज्ञा न्यूज

चूरू । चूरू में अप्रैल माह में पश्चिमी विक्षोभ के कारण गर्मी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। शनिवार को दोपहर ढाई बजे चूरू का अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह 7 बजे से ही सूर्य की किरणें तेज थीं। दिन चढ़ने के साथ-साथ गर्म हवाओं ने लोगों को परेशान किया। हालांकि, शाम चार बजे के बाद आसमान में हल्के बादल छा गए। गर्मी से राहत पाने के लिए लोग ठंडा पानी पी रहे हैं। गर्म हवाओं से बचने के लिए छाते और तौलिये का इस्तेमाल किया जा रहा है।

आने वाले दिनों में बढ़ेगी गर्मी

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि वर्तमान में राज्य के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जा रहा है। पिछले 24 घंटों में बाड़मेर में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 42.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। शर्मा ने यह भी बताया कि राज्य के उत्तरी भागों में आज आंधी और बारिश के असर से तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है। इसके बाद आगामी दिनों में तापमान में पुनः 1 से 2 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की संभावना है।

बढ़ती गर्मी के कारण अस्पतालों में उल्टी और दस्त के मरीजों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है।

वायरल लेटर शुभचिंतकों की कारगुजारी मात्रः वसुंधरा राजे

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के नाम से सोशल मीडिया पर आए फर्जी लेटर से सियासी चर्चा तेज हो गई है। कई नेताओं ने इस लेटर को शेयर करते हुए बीजेपी पर सवाल उठाए हैं।

वहीं, वसुंधरा राजे ने इस लेटर को फर्जी बताया। राजे ने एक्स पर लिखा- सांच को आंच की जरूरत नहीं है। वायरल पत्र शुभचिंतकों की कारगुजारी मात्र है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी देने के प्रयास का मैं ही नहीं देश की हर महिला स्वागत कर रही है। राजे ने लिखा- ऐसे लोग चाहे जितना भ्रम फैलाएं, बाधाएं उत्पन्न करें, देश की नारी शक्ति न रुकी है, न रुकेगी।

वसुंधरा राजे के फर्जी लेटर की सियासी चर्चाएं

सोशल मीडिया पर फर्जी लेटर सामने आया था, जिसमें वसुंधरा राजे के हवाले से आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को लिखा गया था। फर्जी लेटर में महि?ला आरक्षण बिल और परिसीमन पर बीजेपी की लाइन से परे हटकर आलोचना की गई थी। सोशल मीडिया पर कुछ कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इस लेटर को असली मानकर बीजेपी पर सवाल उठाए।

असली सिल्क की साड़ी है या सिर्फ पॉलिएस्टर? घर पर ही ऐसे करें आसानी से पहचान

किसी भी फंक्शन या पार्टी में रॉयल और क्लासी लुक के लिए अक्सर लोग सिल्क साड़ी का कैरी करते हैं। भारतीय संस्कृति में साड़ी सिर्फ सुंदरता का प्रतीक नहीं है बल्कि यह परंपरा की गहरी छाप छोड़ता है। यही कारण है कि हर महिला के अलमारी में एक साड़ी जरूर होती है। लेकिन परेशानी तक होती है जब हम हजारों रुपए खर्च करने के बाद भी गलत सिल्क साड़ी खरीद लेते हैं।

असली सिल्क साड़ी और आर्टिफिशियल सिल्क साड़ी में काफी ज्यादा अंतर होता है। आजकल बाजार में नकली साड़ियां भी उतनी ही चमकदार और सुंदर बनाई जा रही हैं कि उन्हें पहचानना मुश्किल हो जाता है। अगर आप भी सिल्क साड़ी खरीदने की योजना बना रही हैं तो इन आसान ट्रिक्स की मदद से आप ठगी का शिकार होने से बच सकती हैं।

बर्निंग टेस्ट

असली रेशम की सबसे बड़ी पहचान आग से होती है। साड़ी के किनारे से एक छोटा धागा निकालकर उसे जलाएं। यदि जलने पर जले हुए बालों जैसी गंध आए और उसकी राख काली व भुरभुरी हो तो वह असली सिल्क है। इसके विपरीत नकली सिल्क प्लास्टिक की तरह पिघलकर गांठ बन जाता है।

रगड़कर देखें

असली सिल्क एक नेचुरल फाइबर है। जब आप इसे अपनी हथेलियों के बीच तेजी से रगड़ेंगी तो आपको वहां हल्की गर्मी महसूस होगी। वहीं सिंथेटिक या नकली सिल्क रगड़ने पर बिल्कुल ठंडा रहता है।

रिंग टेस्ट

यह तरीका चिनिया सिल्क या क्रेप जैसी हल्की साड़ियों के लिए बेहतरीन है। साड़ी के एक हिस्से को अपनी अंगूठी के बीच से गुजारें। असली सिल्क इतना सॉफ्ट और लचीला होता है कि वह आसानी से अंगूठी के पार निकल जाएगा जबकि नकली सिल्क अक्सर बीच में अटक जाता है।

चमक और रंग का बदलाव

नकली सिल्क में एक सपाट और सफेद सी चमक होती है। असली रेशम की खासियत यह है कि इसे अलग-अलग एंगल से देखने पर इसका रंग हल्का बदलता हुआ दिखाई देता है। यह कुदरती चमक ही शुद्ध रेशम की मुख्य पहचान है।

बुनाई और जरी का काम

साड़ी को उल्टा करके देखें। अगर पीछे की तरफ जरी के धागे बहुत ज्यादा उभरे हुए या चुभने वाले हैं, तो वह मशीन का काम हो सकता है जो अक्सर हल्की क्वालिटी का संकेत है। असली जरी में सोने या चांदी के बारीक तारों का उपयोग होता है। इसके अलावा हाथ से बुनी साड़ियों में हल्की असमानता दिख सकती है जो उनकी मौलिकता का प्रमाण है जबकि मशीन से बनी साड़ियां एकदम परफेक्ट दिखती हैं।

कीमत और टेक्सचर

रेशम के कीड़ों से धागा तैयार करने की प्रक्रिया महंगी और मेहनती होती है। यदि कोई आपको प्योर बनारसी या कांजीवरम सिल्क महज 1000-1500 रुपये में दे रहा है तो समझ लें कि वह नकली हो सकता है। असली सिल्क छूने पर मखमली और स्मूथ महसूस होता है और मुट्ठी में भींचने पर इसमें कॉटन की तरह सिलवटें नहीं पड़तीं।

पानी की बूंद का परीक्षण

सिल्क के एक कोने पर पानी की बूंद डालें। असली सिल्क पानी को तुरंत सोख लेता है जबकि सिंथेटिक कपड़े पर पानी की बूंद काफी देर तक ऊपर टिकी रहती है या फिसल जाती है। सिल्क साड़ी खरीदना एक निवेश की तरह है। अगली बार शॉपिंग पर जाते समय इन छोटी लेकिन प्रभावी बातों का ध्यान रखें ताकि आपकी मेहनत की कमाई सही और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद पर खर्च हो।

केले के छिलके का ये सीक्रेट इस्तेमाल आपको बना देगा जवां!

महंगे फेशियल भी हो जाएंगे फेल

अक्सर हम केला खाने के बाद उसके छिलके को बेकार समझकर फेंक देते हैं लेकिन स्किन एक्सपर्ट्स इसे एक सुपरफूड मानते हैं। विटामिन्स और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर केले का छिलका न केवल आपकी त्वचा को गहराई से मॉइश्चराइज करता है बल्कि यह एक्ने और समय से पहले आने वाली झुर्रियों का भी काल है।

डिजिटल दौर में जहां लोग महंगे स्किन केयर रूटीन के पीछे भाग रहे हैं वहीं आपके किचन में मौजूद केले का छिलका एक नेचुरल ब्यूटी डॉक्टर की तरह काम करता है। इसमें मौजूद पोटेशियम, विटामिन और प्राकृतिक तेल आपकी त्वचा के टेक्सचर में सुधार लाते हैं और उसे अंदर से पोषण देते हैं।

पिंपल्स और दाग-धब्बों

यदि आप बार-बार होने वाले पिंपल्स से परेशान हैं तो केले का छिलका आपके काम आ सकता है। इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण चेहरे की सूजन को कम करते हैं और बैक्टीरिया को खत्म करते हैं। छिलके के अंदरूनी हिस्से को प्रभावित जगह पर रगड़ने से कुछ ही दिनों में चेहरे पर निखार आने लगता है।

एंटी-एजिंग

बढ़ती उम्र के लक्षणों को रोकने के लिए केले का छिलका बेहद असरदार है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं जिससे चेहरे की महीन रेखाएं और झुर्रियां कम होने लगती हैं। यह त्वचा में कोलेजन के उत्पादन को बढ़ावा देता है जिससे आपकी स्किन अधिक टाइट और जवां नजर आती है।

नेचुरल मॉइश्चराइजर और ग्लोइंग स्किन

रूखी त्वचा वालों के लिए यह किसी जादुई नुस्खे जैसा है। केले के छिलके में मौजूद फैटी एसिड्स त्वचा की नमी को लॉक करते हैं। अगर आप डार्क स्पॉट्स या हाइपरपिग्मेंटेशन से परेशान हैं तो नियमित रूप से छिलके का इस्तेमाल आपके कॉम्प्लेक्शन को एक समान बनाता है और चेहरे पर एक नेचुरल चमक लाता है।

इस्तेमाल का सही तरीका

सबसे पहले अपना चेहरा धोकर सुखा लें। अब केले के छिलके के सफेद वाले हिस्से को चेहरे पर हल्के हाथों से तब तक रगड़ें जब तक कि छिलका भूरा न हो जाए। इसे 10-15 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर गुनगुने पानी से धो लें। बेहतरीन परिणामों के लिए सप्ताह में कम से कम तीन बार इसे दोहराएं।

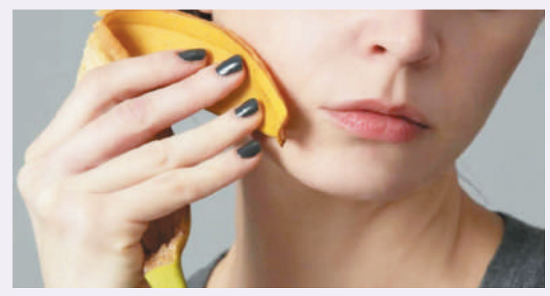

घर में रोजमर्रा के उपयोगी सामानों की करें नियमित सफाई

महिलाओं को घर के कामकाज के दौरान घरेलू उपकारणों जैसे फ्रिज, वाशिंग मशीन, ओवन और मिक्सी आदि की जरुरत हमेशा पड़ती रहती है। इनसे जहां काम आसान होता है, वहीं जल्दी भी हो जाता है। वहीं अगर आप काम में वयस्त रहने की बात कहकर अपने घरेलू उपकरणों की साफ सफाई नहीं कर पा रहीं तो यह नुकसान देह हो सकता है। फ्रिज,वाशिंग मशीन और ओवन आदि की साफ-सफाई बेहद जरुरी है। इन उपकरणों में कई रोगाणुओं तथा फंगस के फलने-फूलने का खतरा रहता अधिक रहता है, जिनके चलते पेट दर्द तथा त्वचा के संक्रमण जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इससे आप ही नहीं पूरे परेवार को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

अध्ययनों से पता चलता है कि ई कोली, सालमोनेला तथा लिस्टीरिया जैसे रोगाणु फ्रिज में पनप सकते हैं, जिसके चलते फूड प्वायजनिंग, पेट में गड़बड़ी तथा फ्लू जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि सलाद वाले दराजों में अक्सर सुरक्षित माने जाते बैक्टीरिया के मुकाबले 750 गुणा अधिक बैक्टीरिया होते हैं।

ऐसे में एक सप्ताह के बाद फ्रिज के दराजों तथा शैल्फों की हल्की सफाई की जानी चाहिए। जहां कुछ तरल बहा हो इसे साफ किया जाना चाहिए और बासी भोजन को फ्रिज से बाहर निकाल देना चाहिए। हर 3 महीने के अंतराल पर गहराई से फ्रिज की सफाई की जानी चाहिए। डीप क्लीनिंग के लिए फ्रिज से खाद्यों को निकाल दें और गीले कपड़े से जारों या डिब्बों के ढक्कनों तथा निचले हिस्सों की सफाई करें। उसके बाद शैल्फ तथा दराज हटा दें और किचन क्लीनर से फ्रिज के अंदर की सफाई करें। ड्रेन होल को बिल्कुल न भूलें। यदि यह ब्लॉक हो गया है तो फ्रिज से बदबू आ सकती है। सलाद वाले दराज में यदि पानी हो तो इसे बाहर निकाल दें। फ्रिज के हैंडल, टॉप तथा साइडों को साफ करना न भूलें।

वाशिंग मशीन

वाशिंग मशीन में रोगाणु तथा जीवाणु पैदा हो सकते हैं। अध्ययनों से पता चला है कि 44 प्रतिशत वाशर्स में इ कोली तता स्टेफीलोकोकस नामक बैक्टीरिया मौजूद होते हैं, जिनसे त्वचा पर छाले या खरोंचे हो सकती हैं।

वाशिंग मशीन की साफ-सफाई हर महीने की जानी चाहिए। डिटर्जेंट वाले दराज को मशीन से निकाल दें और साबिन वाले गर्म पानी में डुबो दें। जब पानी ठंडा हो जाए तो उसमें से धूल हटाने के लिए पुराने टूथब्रथ का इस्तेमाल करें। मशीन के मुख्य भाग की सफाई के लिए इसे खाली एक चक्र में घुमाएं। जब यह चक्र समाप्त हो जाए तो ड्रम को एयर ड्राई करने के लिए मशीन का दरवाजा खोलें। एक गीले कपड़े से रबड़ सील के आस-पास सफाई करें।

ओवन

ओवन में ग्रीस तथा तेल से बैक्टीरिया पैदा होने का खतरा होता है। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि टॉयलेट सीट के मुकाबले ओवन के हैंडल पर अधिक बैक्टीरिया पाए जाते हैं।

हफ्ते के आधार पर ओवन के दरवाजे की साफ-सफाई की जानी चाहिए। हर महीने ओवन की साफ-सफाई करें। ओवन की शैल्फों को निकाल दें और रातभर साबुन वाले पानी में डुबोकर रखें और स्क्रबिंग से पहले 30 मिनट के लिए एक सीलबंद प्लास्टिक बैग में डालकर रखें। हीटिंग एलीमैन्ट्स को ढक दें तथा खाद्यों को ओवन में से निकाल दें। क्लीनर से स्प्रे करें और इसके बाद गीली स्पंज या साबुन वाले गर्म पानी से इसकी साफ-सफाई करें। कोनों की सफाई के लिए टुथ ब्रश का इस्तेमाल करें और हैंडल की सफाई करना बिल्कुल न भूलें। वहीं मिक्सी को अंदर से सूखे कपड़े से साफ कर उसके नट और स्क्रू आदि ठीक से कस दें।

बालकनी में ऐसे लाएं फुल ग्रीनरी और फूलों की बहार

अगर आपके फ्लैट की बालकनी 20 स्क्वायर फीट या उससे भी छोटी है, तो आप वर्टिकल गार्डन बनाएं। वर्टिकल गार्डन के लिए सबसे अच्छे प्लांट्स बेल होते हैं, जो आसानी से बढ़ जाते हैं, ऊपर की तरफ फैलते हैं और फर्श भी खाली रहता है। यानी कि हरियाली भरपूर मिलती है और जगह का भी पूरा यूटिलाइजेशन होता है। आप रेलिंग, दीवार या ग्रिल पर इन बेलों को ट्रे में लगा सकते हैं।

बोगनवेलिया- बोगनवेलिया एक खूबसूरत बेल वाला प्लांट है। ये तेज धूप में भी आसानी से पनप जाता है। आप गुलाबी, नारंगी, सफेद जैसे रंगों के बोगनवेलिया प्लांट्स अपने वर्टिकल गार्डन में लगा सकते हैं। इसे रोजाना थोड़े थोड़े पानी की जरूरत होती है और पूरा आंगन इसकी रंग बिरंगी पत्तियों से सज जाता है।

मॉर्निंग ग्लोरी -मॉर्निंग ग्लोरी एक ऐसा बेल वाला पौधा है, जिस पर बहुत ही खूबसूरत फूल लगते हैं। इसके फूल सुबह के समय खिलते हैं और दोपहर तक बंद हो जाते हैं। जिससे हर दिन कुछ नया देखने को मिलता है और आपकी मॉर्निंग और ज्यादा फ्रेश हो जाती है। इसे आसानी से वर्टिकल गार्डन में आप लगा सकते हैं।

रंगून क्रीपर -रंगून क्रीपर यानी कि मधुमालती एक बहुत ही यूनिक प्लांट है, क्योंकि इसके फूल रंग बदलते हैं। कभी इसकी बेल में गुलाबी कभी लाल फूल आते हैं, जो अपना रंग बदलते रहते हैं। ये दिखने में बहुत ही अट्रैक्टिव लगता है। ये आपकी बालकनी को बहुत ही खिला खिला और ग्रीनरी वाला लुक दे सकता है।

कोरल वाइन- कोरल वाइन एक मेक्सिकन क्रीपर होता है, जिसमें छोटे छोटे गुलाबी रंग के फूल गुच्छे में उगते हैं। ये आपकी बालकनी को बहुत ही सॉफ्ट और रोमांटिक फील देते हैं। दिखने में ये हल्के होते हैं, लेकिन बहुत ही सुंदर लगते हैं। आसानी से इन्हें वर्टिकल गार्डन में लगाया जा सकता है। बस हल्की धूप में इसे रखें, थोड़ा थोड़ा पानी दें और आपके घर में ढेर सारे कोरल वाइन के फ्लावर्स खिलने लगेंगे।

क्लेमेंटिस -अगर आप अपनी बालकनी को एलिगेंट और सॉफ्ट लुक देना चाहते हैं, साथ ही ग्रीनरी भी चाहिए तो आप अपनी बालकनी में क्लेमेंटिस प्लांट लगा सकते हैं। इसके फूल बहुत ही बड़े और अट्रैक्टिव होते हैं और उसके रंग बहुत ही खूबसूरत व्हाइट, पिंक या बैंगनी होते हैं, जो आपकी बालकनी को बहुत ही कूल लुक देगा।

कूड़े में फेंकने वाली ये मामूली चीज है पोषक तत्वों का खजाना

बीमारियों से रहेंगे दूर

अक्सर हम फल खाने के बाद उनके बीजों को बेकार समझकर फेंक देते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि खरबूजे के छोटे-छोटे बीज सेहत का एक बड़ा खजाना अपने भीतर समेटे हुए हैं। अपने दैनिक डाइट में छोटे-छोटे बदलाव करना भविष्य में बड़े और सकारात्मक परिणाम दे सकता है। इसी कड़ी में पोषक तत्वों से भरपूर खरबूजे के बीजों को शामिल करने की पुरजोर सलाह दी जाती है क्योंकि इनके सेवन से शरीर को एक नहीं बल्कि कई महत्वपूर्ण लाभ मिलते हैं।

पोषक तत्वों का भंडार है यह बीज

खरबूजे के बीजों में मुख्य रूप से प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और विभिन्न खनिज भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। यही कारण है कि इन्हें सेहत के लिए प्राकृतिक खजाना माना गया है। इनमें मौजूद प्रोटीन की प्रचुर मात्रा शरीर की मांसपेशियों को मजबूती प्रदान करने में सहायक होती है जो इसे जिम जाने वालों और शारीरिक मेहनत करने वालों के लिए एक सस्ता और सुलभ विकल्प बनाती है।

ब्लड प्रेशर और इम्युनिटी में सुधार

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में हाई ब्लड प्रेशर एक गंभीर समस्या बन चुकी है। खरबूजे के बीज शरीर में सोडियम के स्तर को प्रभावी ढंग से संतुलित रखते हैं जिससे ब्लड प्रेशर को सामान्य बनाए रखने में बड़ी मदद मिलती है। इसके अतिरिक्त ये बीज शरीर की रक्षा प्रणाली यानी इम्युनिटी को भी अभूतपूर्व रूप से मजबूत करते हैं। नियमित सेवन से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता इतनी बढ़ जाती है कि सर्दी-जुकाम जैसी आम बीमारियाँ शरीर को आसानी से प्रभावित नहीं कर पाती।

पाचन और मानसिक स्वास्थ्य के लिए वरदान

पाचन संबंधी समस्याओं विशेष रूप से कब्ज से जूझ रहे लोगों के लिए खरबूजे के बीज किसी औषधि से कम नहीं हैं। फाइबर से भरपूर होने के कारण ये पाचन तंत्र को सुचारू बनाते हैं और पेट को साफ रखने में मदद करते हैं। इतना ही नहीं यह सुपरफूड आपके मस्तिष्क के लिए भी उतना ही प्रभावी है। इसके नियमित सेवन से स्मरण शक्ति तेज होती है और एकाग्रता बढ़ती है। सौंदर्य के लिहाज से देखें तो इनमें मौजूद पोषक तत्व बालों को जड़ों से मजबूत बनाते हैं और नाखूनों की सेहत में भी सुधार करते हैं।

कैसे करें डाइट में शामिल

खरबूजे के बीजों को आहार का हिस्सा बनाना बेहद सरल है। आप इन्हें हल्का भूनकर नमक या स्वादानुसार मसालों के साथ एक स्वास्थ्यवर्धक स्नैक के रूप में खा सकते हैं। इसके अलावा इन्हें सलाद, दही या सुबह के नाश्ते में ऊपर से छिड़क कर इस्तेमाल किया जा सकता है। कई लोग इन्हें चाय या दूध के साथ मिलाकर भी सेवन करना पसंद करते हैं जिससे उनके पोषण का स्तर और बढ़ जाता है। बिना किसी दुष्प्रभाव के स्वास्थ्य सुधारने का यह सबसे सस्ता और प्राकृतिक तरीका है। यदि आप अपनी जीवनशैली को स्वस्थ बनाना चाहते हैं तो आज से ही इस बहुमुखी सुपरफूड को अपनी थाली में जगह दें।

दैनिक
भीम प्रज्ञा
PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026
2009 से स्थापित
सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'गलत धारणाएं हमें सीमित करती हैं, जबकि सही समझ हमें आगे बढ़ने की दिशा दिखाती है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए
हेल्पलाइन - 9983040937
Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-145 | झुंझुनू (राजस्थान) | रविवार, 19 अप्रैल, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'दसवीं-बारहवीं नहीं, सर्टिफिकेट कोर्सः शिक्षा की सही समझ क्यों जरूरी है?'

हमारे समाज में कई ऐसी धारणाएँ हैं जो वर्षों से चली आ रही हैं और इतनी सामान्य हो चुकी हैं कि हम उन्हें सत्य मान लेते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी एक ऐसी ही आम धारणा है–दसवीं और बारहवीं 'कक्षाओं' की परीक्षा। बचपन से लेकर युवावस्था तक हम यही सुनते और बोलते आए हैं कि 'मैंने दसवीं पास कर ली ', 'मैं बारहवीं में हूं' या 'बारहवीं की परीक्षा दे रहा हूं।' लेकिन यदि हम तकनीकी और शैक्षिक दृष्टिकोण से देखें, तो यह पूरी तरह सही नहीं है। वास्तव में, दसवीं और बारहवीं को 'कक्षा' के रूप में नहीं, बल्कि एक सर्टिफिकेट कोर्स के रूप में समझा जाना चाहिए। दसवीं का वास्तविक नाम सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा है, जबकि बारहवीं को हायर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा कहा जाता है। यह केवल शब्दों का अंतर नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की मूल संरचना को समझने का विषय है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन परीक्षाओं के प्रमाण पत्र या अंकतालिका में कहीं भी 'दसवीं पास' या 'बारहवीं पास' जैसा उल्लेख नहीं होता। वहां स्पष्ट रूप से 'सेकेंडरी' या 'हायर सेकेंडरी' सर्टिफिकेट का उल्लेख होता है। इसका सीधा अर्थ है कि विद्यार्थी एक निर्धारित कोर्स को सफलतापूर्वक पूर्ण करता है और उसे प्रमाणित किया जाता है। फिर प्रश्न उठता है कि हम इसे 'कक्षा' क्यों कहते हैं? इसका उत्तर हमारी बोलचाल की आदतों और सामाजिक समझ में छिपा है। वर्षों से चली आ रही भाषा और परंपरा ने इन सर्टिफिकेट कोर्स को 'कक्षा' के रूप में स्थापित कर दिया है। लेकिन जब हम तकनीकी और शैक्षिक रूप से सही शब्दों का उपयोग नहीं करते, तो हम स्वयं शिक्षा की वास्तविक संरचना को समझने से चूक जाते हैं। इस विषय को समझने के लिए एक रोचक उदाहरण लिया जा सकता है। जब कोई विद्यार्थी स्नातक (ग्रेजुएशन) पूरी करता है, तो वह यह नहीं कहता कि 'मैंने 15वीं कक्षा पास कर ली।' वह कहता है कि 'मैंने स्नातक उपाधि प्राप्त की।' इसी प्रकार, दसवीं और बारहवीं भी एक प्रकार के सर्टिफिकेट कोर्स हैं, जिन्हें पूरा करने के बाद विद्यार्थी अगले स्तर–डिग्री, डिप्लोमा या अन्य कोर्स–में प्रवेश करता है। यह समझ केवल शब्दों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध हमारे शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण से है। जब हम दसवीं और बारहवीं को केवल 'कक्षा' मानते हैं, तो हम उनके महत्व को सीमित कर देते हैं। लेकिन जब हम इन्हें एक सर्टिफिकेट कोर्स के रूप में देखते हैं, तो हमें यह समझ आता है कि यह शिक्षा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो आगे की दिशा तय करता है। आज के दौर में, जब शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम बनती जा रही है, तब यह और भी जरूरी हो जाता है कि हम उसकी संरचना और उद्देश्य को सही ढंग से समझें। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा पास करना नहीं, बल्कि ज्ञान, कौशल और समझ का विकास करना है। यदि हम शब्दों की शुद्धता और उनके अर्थ को समझने लगें, तो हम शिक्षा के प्रति अधिक जागरूक और जिम्मेदार बन सकते हैं। इसके साथ ही, यह भी जरूरी है कि विद्यालयों और शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को इस विषय में जागरूक किया जाए। जब छात्र शुरुआत से ही यह समझेंगे कि वे एक सर्टिफिकेट कोर्स कर रहे हैं, तो उनके भीतर एक अलग प्रकार की जिम्मेदारी और गंभीरता आएगी। वे इसे केवल एक 'कक्षा' के रूप में नहीं, बल्कि अपने करियर के महत्वपूर्ण चरण के रूप में देखेंगे। यह भी ध्यान देने योग्य है कि शिक्षा के क्षेत्र में सही शब्दों का प्रयोग केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह हमारी बौद्धिक स्पष्टता का प्रतीक है। जब हम सही शब्दों का उपयोग करते हैं, तो हम न केवल स्वयं को बेहतर ढंग से व्यक्त करते हैं, बल्कि दूसरों को भी सही जानकारी देते हैं।

अंततः, यह कहना गलत नहीं होगा कि 'दसवीं' और 'बारहवीं' केवल बोलचाल की सुविधा के लिए उपयोग किए जाने वाले शब्द हैं। वास्तविकता में ये सेकेंडरी और हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट कोर्स हैं, जो एक विद्यार्थी के शैक्षणिक जीवन की महत्वपूर्ण सीढ़ियाँ हैं। अब समय आ गया है कि हम इस सामान्य लेकिन महत्वपूर्ण भूल को सुधारें। जब भी हम इन परीक्षाओं का उल्लेख करें, तो सही शब्दों का प्रयोग करें–सेकेंडरी और हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट। यह छोटा सा बदलाव न केवल हमारी भाषा को शुद्ध करेगा, बल्कि शिक्षा के प्रति हमारी समझ को भी परिष्कृत करेगा। क्योंकि सही शब्द ही सही सोच का निर्माण करते हैं–और सही सोच ही एक सशक्त समाज की नींव रखती है।

चिड़ावाः संस्कार क्लासेज की छात्रा कृष्णा शर्मा का जलवा, RAS में 498वीं रैंक से बढ़ाया मान

अपनी ही संस्था पर भरोसाः पिता के विश्वास ने बेटी को दिलाई RAS सफलता

संस्कार क्लासेज की सफलता का मंत्रः विश्वास, मार्गदर्शन और मेहनत

स्थानीय तैयारी, बड़ी सफलताः कृष्णा शर्मा ने ऋ्र में बनाई अपनी पहचान

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

सूरजगढ़ मोड़ स्थित संस्कार क्लासेज चिड़ावा की छात्रा कृष्णा शर्मा पुत्री राजेश शर्मा, निवासी बुहाना ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा (RAS) परीक्षा में 498वीं रैंक प्राप्त कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। इस उल्लेखनीय सफलता पर शनिवार को संस्कार क्लासेज परिसर में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रा का अभिनंदन कर उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। सम्मान समारोह के दौरान कृष्णा शर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों, संस्थान संस्कार क्लासेज चिड़ावा और अपने दादा बहादुरमल शर्मा को दिया। उन्होंने कहा कि परिवार का सहयोग, शिक्षकों का मार्गदर्शन और निरंतर मेहनत ही इस मुकाम तक पहुंचने का मुख्य आधार रहे हैं। इस अवसर पर उनके पिता राजेश शर्मा ने भी उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज और शिक्षकों के सहयोग से ही यह सफलता संभव हो पाई है।

परिवार में शिक्षा का माहौल

कृष्णा शर्मा का परिवार शिक्षा के क्षेत्र से जुड़ा हुआ है, जिसका सकारात्मक प्रभाव उनकी पढ़ाई पर भी पड़ा।

उनके पिता राजेश शर्मा काजड़ा (सूरजगढ़) में प्रिंसिपल पद पर कार्यरत हैं, जबकि उनकी माता भी अध्यापक हैं। उनके चाचा कैलाश शर्मा रसूलपुर (पचेरी) के महात्मा गांधी स्कूल में प्रिंसिपल के रूप में सेवाएं दे रहे हैं तथा दूसरे चाचा प्रदीप शर्मा बड़बर के विद्यालय में अध्यापक हैं। परिवार में शिक्षा का वातावरण होने के कारण कृष्णा को प्रारंभ से ही पढ़ाई के प्रति प्रेरणा मिलती रही।

स्थानीय स्तर पर रहकर की तैयारी

कृष्णा शर्मा बचपन से ही एक होनहार और मेहनती छात्रा रही हैं। विशेष बात यह है कि उन्होंने अपनी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए बड़े शहरों जैसे सीकर, कोटा या जयपुर का रुख नहीं किया, बल्कि चिड़ावा में रहकर ही संस्कार क्लासेज से इ्रस की तैयारी की। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि अगर सही दिशा, मार्गदर्शन और लगन हो तो सफलता कहीं से भी हासिल की जा सकती है।

संस्थान में खुशी का माहौल

कृष्णा की इस उपलब्धि से संस्कार क्लासेज चिड़ावा में खुशी का माहौल है। संस्थान के निदेशक बहादुरमल शर्मा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता न केवल छात्रा बल्कि पूरे संस्थान के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि कृष्णा की मेहनत और अनुशासन अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।कृष्णा शर्मा की इस सफलता से चिड़ावा सहित आसपास के क्षेत्रों में हर्ष का माहौल है और लोग इसे क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देख रहे हैं।

पिता व दादा के मार्गदर्शन में संस्कार क्लासेज बनी सफलता की मिसाल

कृष्णा शर्मा का RAS में चयन केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि एक प्रेरणादायक उदाहरण भी है। उनके पिता प्रिंसिपल राजेश शर्मा और दादा बहादुरमल शर्मा के मार्गदर्शन में ही संस्कार क्लासेज चिड़ावा का संचालन किया जा रहा है। यही वजह है कि इस संस्थान ने एक बार फिर साबित किया है कि सही दिशा और समर्पण से ग्रामीण क्षेत्र में रहकर भी बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। सबसे खास बात यह रही कि राजेश शर्मा स्वयं एक प्रिंसिपल होने के बावजूद अपनी बेटी कृष्णा शर्मा को सीकर, कोटा या जयपुर जैसे बड़े शहरों में भेजने के बजाय अपनी ही संस्था संस्कार क्लासेज चिड़ावा में तैयारी करवाई। यह उनके अपने संस्थान और स्टाफ पर गहरे विश्वास को दर्शाता है।

आम तौर पर देखा जाता है कि बड़े संस्थानों के संचालक अपने बच्चों और रिश्तेदारों को बड़े शहरों में पढ़ने के लिए भेजते हैं, लेकिन राजेश शर्मा ने इस सोच को बदलते हुए यह साबित कर दिया कि यदि गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन और मेहनत हो तो ग्रामीण क्षेत्र की संस्थाएं भी बड़े स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी सफलतापूर्वक करवा सकती हैं। संस्कार क्लासेज चिड़ावा की यह सफलता न केवल संस्थान बल्कि पूरे क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बन गई है। यह संदेश साफ है कि सफलता के लिए बड़े शहरों का रुख करना जरूरी नहीं, बल्कि सही मार्गदर्शन, विश्वास और निरंतर मेहनत ही असली कुंजी है।

नीमराना के निडेक कंपनी में 11 घंटे चला मजदूरों का धरना समाप्त

प्रबंधन ने मानी अधिकांश मांगें; वेतन वृद्धि पर एक सप्ताह में होगा निर्णय

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । कोटपूतली-बहरोड़ जिले के नीमराना स्थित जापानी जोन औद्योगिक क्षेत्र की निडेक कंपनी में कर्मचारियों का धरना करीब 11 घंटे बाद समाप्त हो गया। रविवार सुबह 6 बजे कंपनी गेट पर शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन शाम 5 बजे प्रबंधन और कर्मचारियों के बीच कई दौर की वार्ता के बाद खत्म हुआ। कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि, सैलरी कटौती नहीं करने, रविवार को अवकाश देने और ड्यूटी पर डबल भुगतान सहित कई मांगें रखीं। धरने के दौरान कर्मचारियों ने 12 घंटे की जगह 8 घंटे की ड्यूटी लागू करने, औसत वेतन 20 हजार रुपये करने, 26 दिन की ड्यूटी में एक दिन कम होने पर वेतन कटौती नहीं करने, कैंटीन की गुणवत्ता सुधारने और छुट्टी के दिन वेतन नहीं काटने की मांग उठाई। साथ ही प्रबंधन और सुरक्षा कर्मियों के व्यवहार को लेकर भी नाराजगी जताई गई। नीमराना उपखंड अधिकारी महेंद्र सिंह यादव ने बताया कि पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में कई दौर की बातचीत कराई गई। शुरुआत में सहमति नहीं बन सकी, लेकिन बाद में प्रबंधन ने अधिकांश मांगों को मान लिया। वेतन वृद्धि के मुद्दे पर निर्णय के लिए कर्मचारियों को एक सप्ताह का समय दिया गया है।

प्रबंधन का बयानः सैलरी नहीं काटी जाएगी

कंपनी के एचआर हेड विनोद कौल ने कहा कि कर्मचारियों की कई मांगों पर सहमति बन गई है। सैलरी बढ़ोतरी के मुद्दे पर उच्च अधिकारियों से चर्चा के बाद निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि धरने के दिन किसी भी कर्मचारी की सैलरी नहीं काटी जाएगी। धरने के दौरान मारपीट और तोड़फोड़ की घटनाएं प्रदर्शन के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा तीन कर्मचारियों के साथ मारपीट की घटना भी सामने आई। इसमें एक कर्मचारी के सिर में गंभीर चोट आई, जिसे बहरोड़ के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा कंपनी गेट पर सिक्योरिटी रूम के शीशे तोड़े गए और दो कर्मचारियों के वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया। पूरे घटनाक्रम के दौरान उपखंड अधिकारी महेंद्र सिंह यादव, तहसीलदार विक्रम सिंह, एडिशनल एसपी सुरेश कुमार सहित पुलिस प्रशासन मौके पर मौजूद रहा और स्थिति को नियंत्रित करने में जुटा रहा।

राजकीय महिला महाविद्यालय में पोषण जागरूकता रैली का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

राजकीय महिला महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में 8वें पोषण पखवाड़े के अवसर पर एक जागरूकता रैली का आयोजन किया। प्राचार्य डॉ आरपी सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। इस अवसर पर छात्राओं को संबोधित करते हुए प्राचार्य ने कहा कि सरकार द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्राओं और आमजन को बेहतर पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने स्वस्थ शरीर के लिए संतुलित आहार की उपयोगिता पर बल दिया। रैली में छात्राओं ने विभिन्न स्लोगन और संदेशों के माध्यम से संतुलित आहार, स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य किया। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. ममता शर्मा ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि पोषण केवल भोजन करने तक सीमित नहीं है, बल्कि सही समय पर संतुलित और पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेना अनिवार्य है। छात्राओं को स्वयं के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहकर समाज में स्वच्छता और पोषण का दूत बनना चाहिए। इस अवसर पर डॉ. मुकेश यादव, डॉ. गीता यादव एवं डॉ. पवन यादव भी उपस्थित रहें।

मेहनत की चमक से शिक्षा के क्षेत्र में हुआ महवा का नाम रोशन

सेंट जेवियर स्कूल के नौनिहालों ने सीबीएसई बोर्ड परिक्षा परिणामो में लहराया परचम

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । कांक्रीट के बढ़ते दौर में भी जब गाँव की मिट्टी से उठती मेहनत की खुशबू पूरे जिले में महक जाए, तो समझ लीजिए कि नई पीढ़ी कुछ बड़ा कर गुजरने की ठान चुकी है। हिंडौन रोड स्थित सेंट जेवियर स्कूल महवा ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता का लोहा मनवाते हुए सीबीएसई कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में ऐसा परिणाम दिया कि पूरे क्षेत्र में विद्यालय का परचम लहरा उठा। विद्यालय के 31 विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर यह साबित कर दिया कि 'मेहनत इतनी खामोशी से करो कि सफलता खुद शोर मचा दे।' इस वर्ष पुलकित तिवारी और वासु खंडेलवाल ने 94 प्रतिशत अंक हासिल कर संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं अंशुल अग्रवाल और गौरव सिंह ने 92.2 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान पर कब्जा जमाया, जबकि शैलजा ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल कर विद्यालय को गौरवांवित किया। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में खुशी की लहर दौड़ गई और शनिवार को आयोजित सम्मान समारोह में प्रतिभाओं का मान-सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महवा प्रेस क्लब

अध्यक्ष अवधेश अवस्थी ने विद्यार्थियों को माला और साफा पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि 'जिनके हौसले बुलंद होते हैं, वही आसमान छूते हैं।' विद्यालय के अन्य मेधावी विद्यार्थियों ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता की नई इबारत लिखी, जिनमें अवनी धाकड़ 89 प्रतिशत, अभिषेक कुमार 87 प्रतिशत, सचिन पोसवाल 87 प्रतिशत, अंशिका सेहरा 87 प्रतिशत, आदित्य मीणा और खुशबू मीणा 86 प्रतिशत, रितिका जोरवाल 85 प्रतिशत, साक्षी 84 प्रतिशत, चिराग सिंह और अमित कुमार गुर्जर 83 प्रतिशत, नयन मीणा 83 प्रतिशत, गौरव कुमार 82 प्रतिशत, ऋषभ शर्मा 79 प्रतिशत, सौरभ गुर्जर 77 प्रतिशत, पायलट जाटव, प्रशांत और जतन सिंह गुर्जर 74 प्रतिशत, अमन उसारा और रामनुज द्विवेदी 73 प्रतिशत, मोहित निगोतिया 72 प्रतिशत, मूमल गुर्जर 69 प्रतिशत, हितेश गुर्जर 60 प्रतिशत, यथार्थ शर्मा 59 प्रतिशत तथा युवराज शर्मा 43 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी मेहनत का परचम लहराया। विषयवार उत्कृष्टता की बात करें तो सचिन पोसवाल ने सामाजिक विज्ञान में 99 अंक, अंशुल अग्रवाल ने गणित में 99 अंक, वासु खंडेलवाल ने आईटी में 97 एवं विज्ञान में 95 अंक, शैलजा ने हिंदी में 98 अंक तथा पुलकित तिवारी ने अंग्रेजी में 93 अंक प्राप्त कर विद्यालय की शैक्षणिक मजबूती को नई पहचान दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर जोस वी. के. ने इस उपलब्धि को विद्यार्थियों की लगन, शिक्षकों की मेहनत और अभिभावकों के सहयोग का संयुक्त परिणाम बताते हुए कहा कि 'संघर्ष की भट्टी में तपकर ही सफलता का सोना निखरता है।' वहीं प्रबंधक फादर जॉन एरि एस.जे. और प्रधानाध्यापिका सिस्टर बसंती सहित समस्त स्टाफ ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। गाँव की गलियों से निकलकर जब बच्चे अपनी मेहनत से पहचान बनाते हैं तो यह सिर्फ एक स्कूल की नहीं, पूरे क्षेत्र की जीत होती है। सच ही कहा गया है। 'उड़ान बाकी है अभी, इम्तिहान बाकी है,इन नन्हें परिंदों में आसमान बाकी है।' सेंट जेवियर स्कूल का यह परिणाम न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रमाण है बल्कि ग्रामीण अंचल में शिक्षा की मजबूत होती नींव का भी जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया है।

उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने की सावधानी बरतने की अपील

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

दक्षिण हरियाणा में लगातार बढ़ रहे तापमान को देखते हुए जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है। उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने जिले के नागरिकों से आह्वान किया है कि वे इस तपती गर्मी और लू के थपेड़ों से खुद को सुरक्षित रखने के लिए विशेष सावधानी बरतें।

उन्होंने कहा कि बढ़ता पारा स्वास्थ्य के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है, ऐसे में जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है। उपायुक्त ने नागरिकों से अपील की है कि वे दोपहर के समय बेवजह घरों से बाहर न निकलें और स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूरी निष्ठा से पालन करें ताकि हीट वेव के दुष्प्रभावों से बचा जा सके। सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी साझा करते हुए बताया कि इन दिनों सरकारी और निजी अस्पतालों में ओपीडी की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है, जिसका मुख्य कारण अत्यधिक गर्मी है। लू के कारण शरीर में पानी की कमी, चक्कर आना और हीट स्ट्रोक जैसी गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पहले से बीमार व्यक्तियों के प्रति अधिक सावधानी बरतने की सलाह दी है क्योंकि ये समूह गर्मी के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। डॉ. कुमार ने सुझाव दिया है कि प्यास न होने पर भी बार-बार पानी पीते रहें और हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें ताकि शरीर का तापमान सामान्य बना रहे। प्रशासन की ओर से सलाह दी गई है कि दिन के सबसे गर्म समय यानी दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच बाहर जाने से परहेज करें। यदि बाहर जाना अनिवार्य हो, तो सिर को छाते, टोपी या गमछे से ढककर निकलें और साथ में पानी की बोतल जरूर रखें। खान-पान में बासी भोजन और तली-भुनी चीजों से परहेज करना चाहिए, जबकि छाछ, नींबू पानी और ओआरएस के घोल का सेवन अमृत समान है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी है कि किसी भी सूरत में बच्चों या बुजुर्गों को बंद खड़ी गाड़ी में अकेला न छोड़ें, क्योंकि इससे जानलेवा स्थिति पैदा हो सकती है।

लू के लक्षण पहचानें-

तेज बुखार और लगातार सिरदर्द होना, चक्कर आना, उल्टी या जी मिचलाना, त्वचा का पूरी तरह सूख जाना, लाल होना या शरीर का बहुत गर्म होना, बहुत अधिक पसीना आना या पसीना बिल्कुल बंद हो जाना, सांसों की गति या धड़कन का अचानक तेज होना आदि लक्षण दिखाई देते हैं।

लक्षण दिखे तो तुरंत क्या करें

यदि किसी व्यक्ति में लू के लक्षण दिखें, तो उन्हें तुरंत छायादार और ठंडी जगह पर ले जाएं। शरीर को ठंडे पानी की पट्टियों से पोंछें और यदि व्यक्ति होश में हो, तो उसे ओआरएस का घोल या पानी पिलाएं। हालत में सुधार न होने पर बिना देरी किए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर से संपर्क करें।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम, आदर्श विद्या मन्दिर में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । आदर्श विद्या मन्दिर, मण्डावा में सीबीएसई बोर्ड कक्षा 10 के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के उपलक्ष्य में प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गरिमामय वातावरण में हुआ, जिसमें विद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। मंचासीन अतिथियों में संस्था समिति के कोषाध्यक्ष हरिशंकर राहड़, संस्था निदेशक अभिषेक तेतरवाल, प्रधानाचार्य मुकेश कुमार स्वामी एवं आरबीएसई प्रधानाचार्य श्रवण कुमार सहित गणमान्य अभिभावक उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्था निदेशक अभिषेक तेतरवाल ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण एवं अभिभावकों के सहयोग का संयुक्त परिणाम है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।प्रधानाचार्य मुकेश कुमार स्वामी ने विद्यार्थियों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह परिणाम अनुशासन, परिश्रम एवं सही मार्गदर्शन का प्रतिफल है तथा विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव प्रयासरत रहेगा। सम्मानित विद्यार्थियों में दिलीप कुमार (94'), हिमांशु (93.6'), चेतन (89.4'), संकेत मोरे (88.6'), रक्षिता शेखावत (87.2'), प्रिंशी शर्मा (86.4'), शिवानी कंवर (84.6'), हंशिका स्वामी (84'), दर्शिल (83.4'), दीपक सिंह (83.2'), खुशी (82.6'), करण कुमावत (82'), मानस्वी सैनी (81.8'), शिवांक शर्मा (81.4'), कार्तिकेय गहलोत (81.2') भी शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को माल्यार्पण कर एवं मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन गोविन्द सोनी द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। अंत में उन्होंने विद्यालय परिवार की ओर से सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

70 घरों की आबादी वाले भूदा का बास गांव में करीब डेढ़ दर्जन युवा सरकारी सेवा में

गांव के प्यारेलाल सैनी ने 6 दशक पूर्व सरकारी शिक्षक बनकर युवाओं के लिए बने थे प्रेरणा स्रोत

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

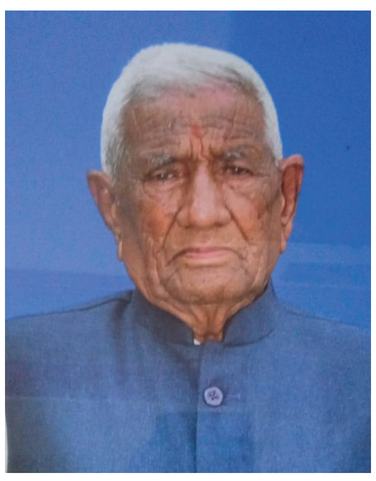

बाबूलाल सैनी । करीब दो शताब्दी पूर्व भूदाराम सैनी ने झुंझुनूं जिले के बगड़ से आकर बसे तो गांव का नाम आज उन्हीं के नाम से प्रचलित है तथा उसी नाम से गांव की पहचान भूदा का बास गांव से होने लगी जो ग्राम पंचायत बिडोदी बड़ी के अंतर्गत है । तथा राजस्व रिकार्ड में भूदा का बास के नाम से दर्ज हैं। करीब दो शताब्दी पूर्व बगड़ से आकर बसे भूदाराम सैनी कम्मा गौत्र के है तथा वर्तमान में करीब 70 घरों की बस्ती है जिनकी संख्या करीब 400 के करीब है । कृषि पर आधारित रहने वाले गांव के कम्मा सैनी परिवार की दशा और दिशा ने नया मोड़ उस वक्त लिया जब करीब 6 दशक पूर्व इन्ही के वंशज प्यारेलाल सैनी ने 1964 में सरकारी शिक्षक बनकर एक नई शुरुआत की तथा युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन गए। परम्परागत रूप से कृषि व्यवसाय से जुड़े रहने वाले कम्मा परिवार के युवाओं ने इन्हीं से प्रेरित होकर शिक्षा के क्षेत्र में अपने कदम बढ़ाते हुए उनकी प्रेरणा,अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर सरकारी सेवाओं में चयनित होकर सफलता का परचम लहराया। वर्तमान में गांव में तीन चिकित्सक है तो एक इंजीनियर हैं जबकि सात सरकारी शिक्षक व दो पटवारी व दो भारतीय सेना में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। जो एक छोटे से गांव गांव के लिए बड़ी उपलब्धि है। गांव में सरकारी सेवा के अलावा जहां कुछ युवा प्राईवेट नौकरी करने में लगे हैं वहीं कुछ ने अपने स्वयं का कारोबार कर रखा है जिनमें गांव के युवा फर्नीचर, मैकेनिक,आयरन वर्कशॉप, टेलरिंग आदि का कारोबार नजदीकी कस्बे नवलगढ़ में करते हैं। वर्तमान में सामाजिक, शैक्षिक व आर्थिक रूप से सम्पन्न माने जाने वाले उक्त गांव के वाशिंदों का रूझान शिक्षा के प्रति प्यारेलाल सैनी की सरकारी सेवा में नियुक्ति के बाद से ही धीरे-धीरे बढ़ा तथा उसके बाद ही काफी युवाओं ने सफलता हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत कर सफलता का परचम लहराया। वर्तमान में सरकारी सेवा में चयनितों में तीन महिलाओं भी सरकारी सेवा में कार्यरत हैं। उक्त गांव करीब एक दशक पूर्व बिडोदी गांव में ही शामिल रहा था जो वर्तमान में रेवेन्यू रिकार्ड में भूदा का बास के नाम से दर्ज है ।

विद्यार्थियों ने जाना सीवरेज शोधन की वैज्ञानिक प्रक्रिया

एनसीसी कैडेट्स की सक्रिय भागीदारी से एक्सपोजर विजिट रहा सफल

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना के अंतर्गत सामुदायिक जागरूकता एवं जन सहभागिता कार्यक्रम के तहत एक प्रेरणादायक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। अधिशाषी अभियंता देवेन्द्र कुमार सैनी के निर्देशन में आदर्श विद्या मंदिर, मंडावा के विद्यार्थियों तथा 3 राज नेवल यूनिट एनसीसी, जयपुर के कैडेट्स ने बिसाऊ रोड स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का एक्सपोजर विजिट किया। कार्यक्रम के दौरान मैसर्स एल.एन.ए.आर एण्ड बी (जेवी) के एसटीपी प्लांट इंचार्ज रोविन शर्मा ने विद्यार्थियों को सीवरेज शोधन प्रक्रिया की कार्यप्रणाली को सरल और प्रभावी तरीके से समझाया। वहीं लैब केमिस्ट्री हेमराज सैनी ने मानचित्र के माध्यम से सीवरेज कनेक्शन से लेकर जल शोधन की संपूर्ण प्रक्रिया का विस्तृत वर्णन किया। विशेषज्ञों ने बताया कि इस आधुनिक शोधन प्रक्रिया से न केवल पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखना संभव है, बल्कि विभिन्न बीमारियों से भी बचाव किया जा सकता है। कैप रुडीप के सामुदायिक विकास अधिकारी अनिल रुहेला ने विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह स्वच्छता को अपनाए और समाज में इसका प्रसार करे। उन्होंने विद्यार्थियों से यह भी अपील की कि सीवरेज चैंबर के साथ किसी प्रकार की छेड़छाड़ न करें और उसमें ठोस कचरा न डालें, क्योंकि इससे सीवर लाइन के जाम होने की समस्या उत्पन्न हो सकती है। एनसीसी सीटीओ गोविन्द सोनी ने कहा कि 'एनसीसी कैडेट्स समाज में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और ऐसे शैक्षिक भ्रमण उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं।' इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स ने अनुशासन, जिज्ञासा और सक्रिय सहभागिता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उन्होंने अधिकारियों से विभिन्न तकनीकी एवं व्यवहारिक प्रश्न पूछकर अपने ज्ञान को समृद्ध किया, जिससे कार्यक्रम और अधिक प्रभावशाली बना। कार्यक्रम में एसओटी सदस्य संदीप स्वामी सहित विद्यालय स्टाफ का विशेष सहयोग रहा। संस्था की ओर से अध्यापक राकेश कुमार एवं अध्यापिका मीनू जाखड़ भी विद्यार्थियों के साथ मौजूद रहे और उनका मार्गदर्शन किया। इस शैक्षिक भ्रमण में लगभग 100 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और अपने ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ स्वच्छता के महत्व को भी समझा।

मोबाइल खोते ही बढ़ सकता है साइबर खतरा, एसपी की आमजन को चेतावनी

एक गलती से खाली हो सकता है बैंक अकाउंट, ठग मिनटों में कर सकते हैं डेटा का दुरुपयोग

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस ने आमजन को सतर्क करते हुए बताया कि मोबाइल फोन के गुम या चोरी होने की घटनाओं के बाद साइबर फ्रॉड के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। वर्तमान समय में मोबाइल फोन केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि बैंकिंग, सोशल मीडिया, ईमेल, यूपीआई सहित अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं का केंद्र बन चुका है। ऐसे में फोन गलत हाथों में जाने पर व्यक्ति को गंभीर आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।उन्होंने बताया कि मोबाइल फोन गुम होने पर साइबर अपराधी उसमें मौजूद सिम कार्ड, बैंकिंग ऐप्स, ईमेल, सोशल मीडिया अकाउंट्स तथा सेव किए गए पासवर्ड का दुरुपयोग कर सकते हैं। कई मामलों में ठग ओटीपी प्राप्त कर बैंक खातों से पैसे निकाल लेते हैं या सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से परिचितों से पैसे की मांग करते हैं। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस ने कहा कि 'मोबाइल फोन के गुम होने को हल्के में न लें। थोड़ी सी देरी आपके लिए बड़ा आर्थिक नुकसान बन सकती है। सतर्क रहें, तुरंत कार्रवाई करें और अपनी डिजिटल सुरक्षा को प्राथमिकता दें। '

मुख्यमंत्री, पूर्व नेता प्रतिपक्ष के साथ लखोटिया ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान के दौरान प्रवासियों से किया संवाद

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अभियान के प्रथम चरण के प्रचार अभियान दौरे पर कोलकाता पहुंचे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस्कॉन हाउस में प्रवासियों से संवाद किया तथा आयोजित चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़, भाजपा प्रवासी प्रकोष्ठ राजस्थान के प्रदेश संयोजक श्री कुमार लखोटिया सहित राजस्थान व पश्चिम बंगाल के भाजपा नेताओं ने भी राजस्थान के प्रवासियों से संवाद किया तथा सभा को संबोधित कर भाजपा के पक्ष में मतदान कर पार्टी प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए लखोटिया ने कहा कि बंगाल के नवनिर्माण और विकास में राजस्थान के प्रवासियों का संकल्प सराहनीय है। उन्होंने कहा कि अपनी माटी से दूर रहकर भी राजस्थानी संस्कृति और संस्कारों को जीवंत रखा। भाजपा नेता लखोटिया ने विश्वास व्यक्त किया कि इस बार पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में कमल खिलाकर भाजपा को पूर्ण समर्थन और आशीर्वाद देंगे।

भाजपा नेता पूर्व चेयरमैन दिनेश जोशी पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर कोलकाता पहुंचे

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान में शेखावाटी के मतदाताओं से करेंगे संपर्क

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

क्षेत्र के दिग्गज नेता पूर्व चेयरमैन व वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश जोशी भाजपा पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर शनिवार को जयपुर एयरपोर्ट से इंडिगो एयरलाइंस से रवाना होकर कोलकाता पहुंचे। जहां जोशी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान में भाजपा प्रत्याशियों के लिए शेखावाटी के मतदाताओं से डोर टू डोर संपर्क, नुक्कड़ सभा,बूथ मैनेजमेंट व चुनाव प्रचार कर भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील करेंगे व व्यक्तिगत संपर्क भी करेंगे। भाजपा नेता जोशी 27 अप्रैल तक कोलकाता में पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में चुनाव प्रचार करेंगे। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में जोशी के पारिवारिक सदस्य व भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी एवं पश्चिम बंगाल में विभिन्न स्थानों पर अपनी सेवाएं देने वाले शेखावाटी के लाडले मुकुंदगढ़ निवासी डॉ राजेश शर्मा सेवानिवृत्त होने के बाद हाल में भाजपा में शामिल हुए तथा पार्टी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में जगतदल विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतारा है। जोशी कोलकाता चुनावी दौरे के दौरान जगतदल विधानसभा क्षेत्र सहित विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों व शेखावाटी बाहुल्य क्षेत्रों में भाजपा के लिए प्रचार प्रसार कर पार्टी प्रत्याशियों को विजयश्री दिलाने के लिए काम करेंगे। उल्लेखनीय है कि जोशी को पार्टी नेतृत्व में उड़ीसा विधानसभा चुनाव में भी चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी सौंपी थी। जहां भाजपा ने अपनी सरकार बनाने में सफलता हासिल की थी।

सेडी संस्थान में विदाई समारोह संपन्न: प्रशिक्षार्थियों को बांटी गई टूलकिट

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

अंबुजा फाउंडेशन द्वारा संचालित कौशल एवं उद्यमिता विकास संस्थान (सेडी) में ईडीपी (EDP) बैच के प्रशिक्षार्थियों के लिए टूलकिट वितरण एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भविष्य के उद्यमियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में अग्रणी जिला प्रबंधक (LDM) गोपाल प्रसाद शर्मा और सेवानिवृत्त LDM रतन लाल वर्मा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। संस्थान पहुंचने पर हरीश कुमार ने अतिथियों का पटका पहनाकर पारंपरिक स्वागत किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन प्रदीप राठौड़ द्वारा किया गया। समारोह के दौरान प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले सभी प्रशिक्षार्थियों को टूलकिट प्रदान की गई। मुख्य अतिथियों ने प्रशिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि तकनीकी कौशल के साथ सही संसाधनों का होना आत्मनिर्भरता की ओर पहला कदम है। उन्होंने सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। संस्थान इंचार्ज खुशबू सेंगर ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और संस्थान द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों की जानकारी साझा की। इस अवसर पर संस्थान का समस्त स्टाफ और प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवा मौजूद रहे।

गर्मियों में अधिक से अधिक संख्या में परिंडे लगाकर ले सेवा का संकल्प

झड़ाया बालाजी मंदिर के पास पक्षियों के लिए लगाए परिंडे

पक्षियों के लिए परिंडे लगाकर रोज पानी डालने का लें संकल्प- मदनलाल भावरिया

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । उपखंड क्षेत्र के झड़ाया बजरंग धाम आश्रम के नजदीक शनिवार को समाजसेवी एवं पर्यावरण प्रेमी मदनलाल भावरिया के नेतृत्व में चिलचिलाती धूप को ध्यान में रखते हुए पक्षियों के लिए परिंडा लगाया द्य इस अवसर पर भावरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि गर्मी के मौसम में लोगों को अधिक से अधिक पक्षियों के लिए परिंडे लगाकर सेवा का संकल्प लेना चाहिए साथ ही उनमें रोज पानी डालने का भी कार्य करें द्य आपको बता दे पर्यावरण प्रेमी मदनलाल भावरिया ने इस बार गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए सार्वजनिक-निजी स्थानों पर 101 परिंडे लगाने का संकल्प लिया हैद्य इस मौके पर सेवानिवृत्ति पीटीआई भगवान सहाय यादव, महेंद्र तेतरवाल, ओम प्रकाश शर्मा आदि मौजूद रहे

फतेहाबाद के गांव कन्हड़ी में पोषण पखवाड़ा के अन्तर्गत 'पोषण में पुरुषों की भागीदारी' विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । बच्चों के पोषण और उनके सर्वांगीण विकास में माताओं के साथ-साथ पुरुषों की सक्रिय भागीदारी को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा चलाए जा रहे 'पोषण पखवाड़ा' के अंतर्गत गाँव कन्हड़ी में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुपरवाइजर करमजीत कौर की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में अनेक गतिविधियां आयोजित हुई। गौरतलब है कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 9 अप्रैल से 23 अप्रैल तक पोषण पखवाड़ा मनाया जा रहा है, जिसके तहत क्षेत्र के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में निरंतर जन-जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। कार्यक्रम के दौरान सुपरवाइजर करमजीत कौर ने उपस्थितजनों को जागरूक करते हुए बच्चे के विकास में पुरुष देखभालकर्ताओं के महत्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। इस अवसर पर पिताओं को जागरूक करने के लिए 'पापा के साथ सीखें' और 'सुपर डैड' जैसे विशेष सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि बच्चे का स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य केवल माता की ही नहीं, बल्कि पिता की भी समान जिम्मेदारी है। परिवार में पुरुषों की सक्रिय सहभागिता से बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास अधिक सुदृढ़ होता है। बच्चों के शारीरिक और गत्यात्मक विकास को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम में 'स्पोर्ट्स एंड डांस डे' गतिविधि के माध्यम से जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त, 'खेल-खेल में सीखें' पहल के तहत बच्चों के लिए कई मनोरंजक और ज्ञानवर्धक गतिविधियां करवाई गईं। इनमें फ्रॉग जंप, स्टेप-अप, श्वास संबंधी व्यायाम, बाल कविताएं और खिलौना-आधारित शिक्षा जैसी गतिविधियां शामिल रहीं, जिनसे बच्चों को खेल के माध्यम से शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत बनने के तरीके सिखाए गए। इस मौके पर प्रधान सत प्रकाश नैन, राममेहर, नफेसिंह, विजेंद्र, विरेंद्र, पंचायत सदस्य रेखा व सुदेश के साथ-साथ आंगनबाड़ी वर्कर राज कौर, मुकेश, सुमित्रा, संतोष, केलापति सहित क्षेत्र की अनेक महिलाएं और ग्रामीण उपस्थित रहें।

फतेहाबाद पुलिस का सशक्त कदम : महिला सुरक्षा के लिए जागरूकता अभियान तेज

छात्राओं को आत्मरक्षा, कानून और हेल्पलाइन नंबरों की दी महत्वपूर्ण जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जिला पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा को लेकर विशेष जागरूकता अभियान लगातार प्रभावी रूप से चलाया जा रहा है। इसी क्रम में महिला सुरक्षा टीम प्रभारी निरीक्षक मंजू सिंह के कुशल नेतृत्व में टीम ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चौबारा का दौरा कर छात्राओं को महिला सुरक्षा संबंधी विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान टीम ने छात्राओं को बताया कि किसी भी आपात स्थिति में महिला पुलिस किस प्रकार त्वरित सहायता उपलब्ध कराती है। छात्राओं को 1091 महिला हेल्पलाइन, 181 महिला सहायता नंबर तथा 1930 साइबर हेल्पलाइन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और इनके उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही छेड़छाड़, स्टॉकिंग, साइबर अपराध व घरेलू हिंसा जैसे मामलों में तुरंत पुलिस को सूचना देने के लिए जागरूक किया गया। प्रभारी निरीक्षक मंजू सिंह ने छात्राओं से संवाद करते हुए आत्मरक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जागरूकता और आत्मविश्वास ही सुरक्षा की सबसे बड़ी कुंजी है। इस दौरान छात्राओं को यह भी बताया गया कि पुलिस शिकायतकर्ता की पहचान पूर्ण रूप से गोपनीय रखती है, इसलिए किसी भी प्रकार की समस्या बिना संकोच साझा करें। कार्यक्रम में विद्यालय प्राचार्य, अध्यापकगण व बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं और सभी ने इस पहल की सराहना की।

थाना शहर टोहाना पुलिस की कार्रवाई : जानलेवा हमले के मामले में आरोपी काबू

रजवाहा पुल के पास युवक पर किया था हमला, आरोपी को माननीय न्यायालय में किया जाएगा पेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । थाना शहर टोहाना पुलिस ने जानलेवा हमले के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को काबू किया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा।इस संबंध में जानकारी देते हुए थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता अजय पुत्र दर्शन सिंह निवासी गांव कन्हड़ी ने शिकायत दी थी कि दिनांक 04 मार्च को गांव के पास रजवाहा पुल के निकट कुछ युवकों द्वारा उसके मामा के लड़के के साथ मारपीट की जा रही थी। जब वह मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव करने लगा तो आरोपियों ने उस पर हमला कर दिया। आरोपियों ने उसके साथ मारपीट करते हुए उसके सिर व शरीर पर गंभीर चोटें पहुंचाईं तथा जान से मारने की धमकी दी। घटना में घायल को उपचार हेतु अस्पताल में दाखिल करवाया गया, जहां से उसे अग्रोहा रेफर किया गया। बाद में चिकित्सकीय राय प्राप्त होने पर पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपी वरुण पुत्र अजमेर निवासी बहमनीवाला, थाना खनौरी जिला संगरूर (पंजाब) को काबू किया। इस संबंध में थाना शहर टोहाना में अभियोग संख्या 76 दिनांक 07.03.2026 धारा 191(2), 190, 115(2), 118(1), 109 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच जारी है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

फतेहाबाद के रतिया सीआईए की बड़ी कार्रवाई : गांजा तस्करी में आरोपी काबू

1 किलो 245 ग्राम गांजा पत्ती बरामद, आरोपी को माननीय न्यायालय में किया जाएगा पेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । सीआईए रतिया पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को काबू कर उसके कब्जे से 1 किलो 245 ग्राम गांजा पत्ती बरामद की है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए सीआईए रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान फतेहाबाद से जांडली होते हुए भुना की ओर जा रही थी। जब टीम जीडी कॉलेज, भुना के पास पहुंची तो एक युवक सफेद रंग का पॉलीबैग लिए संदिग्ध अवस्था में खड़ा दिखाई दिया, जो पुलिस वाहन को देखकर तेज कदमों से शहर की ओर जाने लगा। शक के आधार पर पुलिस ने उसे कुछ दूरी पर काबू कर पूछताछ की। आरोपी की पहचान सुमित उर्फ भैया पुत्र राम कुमार निवासी गांव दौलतपुर, थाना उकलाना जिला हिसार के रूप में हुई। नियमानुसार तलाशी लेने पर उसके कब्जे से पॉलीबैग के अंदर 1 किलो 245 ग्राम गांजा पत्ती बरामद हुई। इस संबंध में थाना भुना में अभियोग संख्या 85 दिनांक 17.04.2026 धारा 20बी/61/85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी तथा मामले की जांच जारी है।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकने के लिए प्रशासन अलर्ट, आमजन से सहयोग की अपील

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद?।

रजत विजय रंगा । महिला एवं बाल विकास विभाग ने अक्षय तृतीया के अवसर पर संभावित बाल विवाह की घटनाओं को रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने आमजन से आह्वान किया है कि वे अपने घर-परिवार, आस-पड़ोस तथा रिश्तेदारों में विशेष निगरानी रखें और किसी भी संदिग्ध बाल विवाह की सूचना समय रहते संबंधित विभाग तक पहुंचाएं। इस अभियान के तहत आंगनबाड़ी वर्कर्स, आशा वर्कर्स, ग्राम सरपंच, पंच तथा शहरी पार्षदों को अपने-अपने क्षेत्रों में जागरूकता फैलाने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक एवं कानूनी अपराध है : रेखा अग्रवाल

महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी रेखा अग्रवाल ने कहा कि बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक और कानूनी अपराध है, जिसे रोकना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यदि कहीं भी नाबालिग बच्चों के विवाह की जानकारी मिलती है तो तुरंत प्रशासन को सूचित करें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके। उन्होंने बताया कि बाल विवाह में शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानून के तहत दो वर्ष तक की सजा और एक लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है। उन्होंने समाज से इस कुरीति को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। रेखा अग्रवाल ने बताया कि अक्षय तृतीया, विशेषकर 19 अप्रैल को अबूझ साया मान्यता के कारण विवाहों की संख्या बढने की संभावना रहती है। इसको ध्यान में रखते हुए जिले के पंडितों, पाठियों और गुरुद्वारा प्रबंधकों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। उनसे कहा गया है कि विवाह संपन्न कराने से पूर्व वर-वधू की आयु का सत्यापन अवश्य करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि विवाह के लिए लडक़ी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और लडक़े की 21 वर्ष होना अनिवार्य है। आयु प्रमाण के रूप में जन्म प्रमाण पत्र या दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र ही मान्य होगा, जबकि आधार कार्ड मान्य नहीं है। उन्होंने आश्वस्त किया कि बाल विवाह की सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। किसी भी प्रकार की सूचना आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सुपरवाइजर, सीडीपीओ, निकटतम थाना या चौकी, हेल्पलाइन नंबर 1098, 181, 112 तथा 8814011719 पर दी जा सकती है।

नारनौल के बड़कोदा-बडगांव में 14 एकड़ में बनेगा अत्याधुनिक जिला स्तरीय स्टेडियम, खेल मंत्री ने किया साइट निरीक्षण

हरियाणा के खिलाड़ियों ने विश्व पटल पर गाड़ा जीत का झंडा, संसाधनों की कमी नहीं रहने देगी सरकार : गौरव गौतम

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

हरियाणा के खेल एवं युवा मामले मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार खेलों और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार खेलों को लगातार बढ़ावा दे रही हैं । खेल मंत्री आज गांव बड़कोदा-बडगांव में प्रस्तावित खेल स्टेडियम की साइट का निरीक्षण करने के बाद लोगों से बातचीत कर रहे थे। श्री गौतम ने कहा कि खेल सुविधाओं को और अधिक बेहतरीन बनाने के लिए गांव बड़कोदा-बडगांव में लगभग 14 एकड़ भूमि पर एक भव्य जिला स्तरीय खेल स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। खेल मंत्री ने कहा कि प्रदेश में खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की ढांचागत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। आज प्रदेश के खिलाड़ी पूरी दुनिया में नाम रोशन कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान खेल मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि 14 एकड़ में बनने वाले इस खेल स्टेडियम का निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि इस स्टेडियम के बनने से न केवल नारनौल, बल्कि पूरे जिले के उभरते खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी, जिससे वे भविष्य में देश के लिए पदक जीत सकें।

इस मौके पर पूर्व मंत्री व नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव ने कहा कि खेल स्टेडियम का निर्माण होना क्षेत्र के युवाओं के सुनहरे भविष्य की नींव रखेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की खेल नीति का ही परिणाम है कि आज ग्रामीण क्षेत्रों तक खेलों का ढांचा पहुंच रहा है। इस अवसर पर उनके साथ भाजपा के जिला अध्यक्ष डॉ. यतेंद्र राव तथा जिला खेल अधिकारी नरेंद्र कुंडू भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान खेल मंत्री ने स्टेडियम के ले-आउट और भविष्य में उपलब्ध होने वाली खेल विधाओं की विस्तृत समीक्षा की। नारनौल के गांव बड़कोदा-बडगांव में बनने वाले जिला स्तरीय खेल स्टेडियम की साइट का निरीक्षण करते हरियाणा के खेल एवं युवा मामले मंत्री

गौरव गौतम ।

इन सुविधाओं से लैस होगा जिला स्तरीय खेल स्टेडियम

हरियाणा सरकार द्वारा जिला नारनौल के गांव बड़कोदा-बडगांव में स्टेडियम के लिए खेल विभाग ने सुविधाओं का विस्तृत 'स्कोप ऑफ वर्क' तैयार कर मुख्य वास्तुकार को ड्राइंग बनाने के लिए भेज दिया है। इस आधुनिक स्टेडियम में खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं मिलेंगी। यहां 400 मीटर का सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक तैयार किया जाएगा, जिसके बीच में फुटबॉल ग्राउंड होगा। इसके अलावा, हॉकी प्रेमियों के लिए हॉकी एस्ट्रोटर्फ और क्रिकेट के लिए अलग से खेल मैदान का निर्माण होगा। इनडोर खेलों को बढ़ावा देने के लिए स्टेडियम परिसर में तीन कोर्ट वाला वुडन बैडमिंटन हॉल, एक मल्टीपरपज इंडोर हॉल, और वॉलीबॉल व बास्केटबॉल के लिए इंडोर ग्राउंड बनाए जाएंगे। मार्शल आर्ट्स और पारंपरिक खेलों के लिए कबड्डी, कुश्ती और जूडो के अलग-अलग हॉल की सुविधा दी जाएगी। साथ ही, शूटिंग रेंज, आर्चरी ग्राउंड, सिंथेटिक लॉन टेनिस कोर्ट और एक आधुनिक तैराकी तरणताल (स्विमिंग पूल) भी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं। खिलाड़ियों की सुविधा के लिए यहाँ लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग चेंजिंग रूम, बाथरूम और शौचालय बनाए जाएंगे। साथ ही, हर खेल के सामान के लिए विशेष स्टोर रूम और जिला खेल कार्यालय के लिए एक प्रशासनिक भवन का निर्माण भी किया जाएगा।

पोषण पखवाड़ा के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिर में कैंप आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.महेंद्रगढ़।

हर्ष स्वामी । हरियाणा सरकार एवं जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ शशी बाला के दिशा निर्देशानुसार आयुष्मान आरोग्य मंदिर निंबी में आज पोषण पखवाड़ा के तहत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में लगभग 90 महिलाओं और छात्राओं ने भाग लेकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। शिविर में डॉ. सुमन ने गर्भवती महिलाओं एवं किशोरियों को पोषण संबंधी जानकारी देते हुए कहा कि आजकल बच्चे अत्यधिक मात्रा में कोल्ड ड्रिंक का सेवन कर रहे हैं, जिसकी जगह आम पन्ना, चिया सीड पानी, गोंद कतीरा, सौंफ का पानी जैसे प्राकृतिक पेय पदार्थ अपनाने चाहिए, जो शरीर में पानी की पूर्ति बनाए रखते हैं तथा डिहाइड्रेशन और लू से बचाव करते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों में नमकीन व पैकेट फूड खाने की आदत बढ़ रही है, जबकि उनकी जगह पोषण से भरपूर घरेलू विकल्प जैसे ड्राई रोस्टेड पोहा, मखाना, भुने हुए चने, कढ़ी पत्ते, चावल की खिल (लाजा) में हल्दी-नमक मिलाकर सेवन किया जा सकता है। गर्भवती महिलाओं को मासानुसार परिचर्या (नौ माह में आहार-विहार) के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं किशोरियों को रजस्वलाचार्य के प्रति जागरूक किया। इस मौके पर संशेर सिंह (डिस्पेंसर), मीनाक्षी, पूजा, पुष्पा (आशा वर्कर), नितिन (योग प्रशिक्षक), सुशीला देवी एवं अमिता सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 की तैयारीयों में जूटा आयुष विभाग

आयुष योग सहायकों का तीन दिवसीय योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का समापन

योग से ही मानव जीवन का सर्वांगीण विकास सम्भव- डॉ शशिबाला

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के लिए आज आयुष योग सहायकों का तीन दिवसीय योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का समापन नूनी-कलां की योगशाला में किया गया । जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ शशीबाला व जिला योग समन्वयक अधिकारी डॉ सतीश कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ शशिबाला ने कहा की इस प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य जिले के समस्त आयुष योग सहायकों को अच्छी तरह से तैयार कर उनके कार्य कुशलता में वृद्धि करना हैं, जिससे की वे ओर अधिक निपुण हो और आगामी 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आम जन को सही तरीके से योग करवा सकें । उन्होंने कहा की योग से हम अपना मानसिक, शारीरिक व आध्यात्मिक विकास के साथ-साथ जीवन का सर्वांगीण विकास केवल व केवल योग से ही कर सकते हैं । इस मौके पर जिला योग समन्वयक अधिकारी डॉ सतीश कुमार ने कहा की यह योग प्रशिक्षण शिविर 16 से 18 अप्रैल तक चलाया। इसमें जिले के सभी योग सहायकों ने हिस्सा लिया और यह संकल्प लिया की जन-जन तक योग को पहुंचाने का कार्य करेंगे। इस अवसर पर योग विशेषज्ञ डॉ सुधा यादव ने उपस्थित योग सहायकों को आसन, प्राणायाम व अन्य योग क्रियाओं का अभ्यास करवाया तथा आसनों के सही तरीके व उनके स्वास्थ्य लाभों की जानकारियां भी दी गई।

नारी शक्ति बंधन अभियान के तहत 'विकसित भारत की पहचान नारी का हो सशक्त स्थान' विषय पर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

राज्य सरकार एवं उच्चतर शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार महाविद्यालय कृष्णनगर में प्राचार्य डॉक्टर सुमन यादव की अध्यक्षता में नारी शक्ति बंधन अभियान के तहत 'विकसित भारत की पहचान नारी का हो सशक्त स्थान' विषय पर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ सुमन यादव ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के सशक्तिकरण सम्मान सुरक्षा और उनके अधिकारों के प्रति विद्यार्थियों एवं आमजन को जागरूक करना है।आधुनिक युग में महिलाएं शिक्षा, रक्षा, विज्ञान, राजनीति और व्यवसाय जैसे हर क्षेत्र में अपनी योग्यता का परचम लहरा रही है। जब नारी को निर्णय लेने की स्वतंत्रता और समान अवसर मिलते हैं तो देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिति मजबूत होती हैं।एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी निर्मला यादव ने बताया कि घरेलू हिंसा, दहेज प्रथा और नारी उत्पीड़न जैसी कुरीतियों का अंत ही नारी का सम्मान है। स्लोगन प्रतियोगिता में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा दिया गोरा ने प्रथम, बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा पूजा ने द्वितीय व बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा सारिका ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में डॉ सुषमा, बबीता गुप्ता व प्रीति यादव ने जज की भूमिका निभाई।

टोहाना के थाना जाखल पुलिस की बड़ी कार्रवाई : अवैध पिस्तौल सहित आरोपी काबू

रेलवे पुल के नीचे संदिग्ध हालत में मिला युवक, माननीय न्यायालय में किया जाएगा पेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

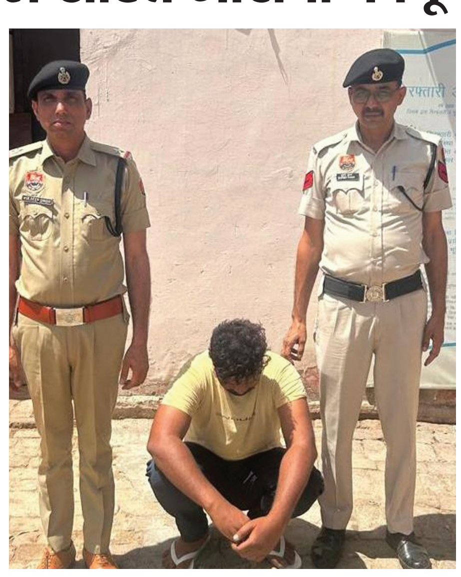

रजत विजय रंगा । थाना जाखल पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को काबू कर उसके कब्जे से .315 बोर का अवैध पिस्तौल बरामद किया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए थाना जाखल प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेश ने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान रेलवे पुल के नीचे जाखल क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान एक युवक गांव की तरफ से आता दिखाई दिया, जो पुलिस वाहन को देखकर घबराकर वापस मुड़कर तेज कदमों से जाने लगा। संदेह के आधार पर उसे कुछ दूरी पर काबू कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी की पहचान राजू उर्फ भंगी पुत्र कुलविंद्र सिंह निवासी नई बस्ती जाखल, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई। नियमानुसार तलाशी लेने पर उसके कब्जे से .315 बोर का अवैध पिस्तौल बरामद हुआ, जिसे जांच करने पर अनलोड पाया गया। इस संबंध में थाना जाखल में अभियोग संख्या 46 दिनांक 17.04.2026 धारा 25/54/59 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी तथा मामले की जांच जारी है।

ब्रह्म बगीची में आज गूंजेगा जय परशुराम का उद्घोष

महाभिषेक व महाआरती के साथ मनाया जाएगा भगवान परशुराम का जन्मोत्सव

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

गौड़ ब्राह्मण महासभा एवं गौड़ ब्राह्मण सेवा संस्थान लक्ष्मनगढ के संयुक्त तत्वावधान में अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर रविवार 19 अप्रैल को भगवान परशुराम जन्मोत्सव प्रातः 8:30 बजे स्थानीय ब्रह्म बगीची में श्रद्धा व भक्ति के साथ समारोह पूर्वक मनाया जाएगा। समिति द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत पंडित चंद्रशेखर जोशी,प्रभूदयाल इंदौरिया व चन्द्रशेखर मिश्रा के सानिध्य में भगवान परशुराम जी के महाभिषेक से होगी । उन्होंने बताया कि महाभिषेक के बाद भगवान परशुराम जी की भव्य महाआरती आयोजित होगा ।जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया जाएगा।आयोजन को लेकर आवश्यक तैयारी व व्यवस्थाओं के लिए अलग-अलग जिम्मेदारी का निर्धारण किया गया है। आयोजित कार्यक्रम में बडी संख्या में प्रबुद्ध जन मौजूद रहेंगे।

पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित

सराहनीय सेवाओं पर प्रशंसा पत्र देकर बढ़ाया हौसला, कर्मियों को किया प्रेरित

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस द्वारा जिला पुलिस के उन अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने कर्तव्य निर्वहन में उत्कृष्ट कार्य करते हुए विभाग का नाम रोशन किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने सभी कर्मियों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया और भविष्य में भी इसी प्रकार निष्ठा व ईमानदारी से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों का सम्मान करना अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सम्मान से पुलिस बल का मनोबल बढ़ता है और वे और अधिक लगन व प्रतिबद्धता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। उन्होंने सभी सम्मानित कर्मियों को बधाई देते हुए आशा जताई कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार जनता की सेवा व कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे। इस अवसर पर उपस्थित अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने भी सम्मानित पुलिसकर्मियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

24 घंटे में नकबजनी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

पुलिस थाना पचेरी कलां की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नकबजनी की एक वारदात का मात्र 24 घंटे में खुलासा कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई को थानाधिकारी बनवारीलाल के नेतृत्व में गठित टीम ने अंजाम दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 14 अप्रैल को परिवादी अशोक कुमार निवासी ढाणी निहालोठ ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनके परिवार के सदस्य गांव के स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने गए हुए थे। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। घर लौटने पर उन्होंने देखा कि कमरे में सामान बिखरा पड़ा था और अटैची खुली हुई थी, जिसमें रखे जेवरात व 10,000 रुपये नकद चोरी हो चुके थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मौके का बारीकी से निरीक्षण कर महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए और मामले के खुलासे के लिए विशेष टीम का गठन किया। टीम ने गहन आसूचना संकलन व तकनीकी विश्लेषण के आधार पर संदिग्धों की पहचान कर उन्हें दस्तयाब किया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रसूलपुर अहीरान निवासी सचिन और अनूप को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल आरोपियों से अन्य चोरी की वारदातों के संबंध में पूछताछ जारी है।

हुडला की धरती पर आज दामपत्य सूत्र में बंधेंगे 28 जोड़े

फिजूलखर्ची पर प्रहार, सामाजिक समरसता का विराट उत्सव।

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । महवा उपखंड के हुडला गांव की पावन धरा पर आज अक्षय तृतीया के अबूझ सावे पर 19 अप्रैल 2026 को ऐसा दृश्य साकार होने जा रहा है, जो केवल एक आयोजन नहीं बल्कि सामाजिक चेतना का जीवंत दस्तावेज बनेगा। सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन के रूप में आयोजित इस भव्य समारोह में 28 बेटियों के पीले हाथ एक साथ होंगे, जहां पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुडला स्वयं अग्रणी भूमिका निभाते हुए कन्यादान की इस पवित्र परंपरा को निभाएंगे। गांव की गलियों से लेकर समारोह स्थल तक उत्साह की लहर साफ दिखाई दे रही है। सजी हुई रंग-बिरंगी सजावट, पंडालों की रौनक और मेहमानों के स्वागत की व्यापक तैयारियां इस आयोजन को क अलग ही ऊंचाई दे रही हैं। आयोजकों ने स्पष्ट किया है कि यह केवल विवाह नहीं, बल्कि समाज में बढ़ती आडंबरपूर्ण परंपराओं के खिलाफ एक सशक्त संदेश है, जहां 'सादगी में ही असली शान' को चरितार्थ किया जाएगा। ग्रामीण परिवेश में यह सम्मेलन उस सोच को मजबूत करता नजर आ रहा है, जहां जरूरतमंद परिवारों के लिए बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न कराना सामाजिक दायित्व माना जाता है। समाज के हर वर्ग, हर जाति और हर तबके को एक मंच पर लाकर यह आयोजन भाईचारे की ऐसी मिसाल पेश करेगा, जो आने वाले समय में अन्य क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणा बनेगी। गांव के बुजुर्गों और युवाओं की जुबां पर एक ही बात है–

'जहां मिलकर उठे हाथ, वहीं बनता है समाज,
रिश्तों की इस डोरी में ही छिपा है असली ताज। '

इस सम्मेलन के माध्यम से न केवल सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार किया जा रहा है, बल्कि यह संदेश भी दिया जा रहा है कि सामूहिक प्रयास से हर चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है। हुडला की यह पहल अब केवल एक गांव तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह पूरे क्षेत्र में सामाजिक जागरूकता की अलख जगा रही है। समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और ग्रामीणों की भागीदारी तय मानी जा रही है, जिससे यह आयोजन जनसहभागिता का विशाल उत्सव बन जाएगा। हुडला की यह पहल यह साबित करती है कि जब समाज एकजुट होता है तो बदलाव की राह खुद-ब-खुद बन जाती है–और यही इस सम्मेलन की सबसे बड़ी सफलता भी है।

केकेआर के लिए गहराता संकट, रॉयल्स की वापसी की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को लगातार मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। छह मैचों के बाद भी एक भी जीत दर्ज न कर पाने वाली केकेआर को अब अपनी पिछली हार के 48 घंटे से भी कम समय में ऊर्जावान राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से भिड़ना है। केकेआर का अभियान कई मोर्चों पर पटरी से उतर गया है। सीजन शुरू होने से पहले ही मुख्य तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आकाश दीप चोट के कारण बाहर हो गए थे। मथीशा पथिराना के आने में देरी और अनिश्चितता ने संकट को और गहरा कर दिया है। कैमरून ग्रीन के गेंद के साथ केवल कभी-कभार ही योगदान देने के कारण, केकेआर के पास अनुभवहीन तेज गेंदबाजी आक्रमण है, जिसमें मारक क्षमता और धार दोनों की कमी साफ दिखती है। यह आश्चर्य की बात नहीं कि वे इस सीजन में सांख्यिकीय रूप से सबसे खराब तेज गेंदबाजी टीमों में से एक रहे हैं। गुजरात टाइटंस (जीटी) से मिली हार के बाद अजिंक्य रहाणे ने बेबाकी से कहा, जो खिलाड़ी पावरप्ले में गेंदबाजी कर रहे हैं, वे अनुभवहीन हैं। जब यह अनुभवहीन आक्रमण टूर्नामेंट की सबसे विनाशकारी सलामी जोड़ी के सामने आता है, तो केकेआर के पास योजना बनाने या कल्पना करने के लिए ज्यादा समय नहीं है।

केकेआर की चिंताएं केवल गेंदबाजी तक सीमित नहीं हैं। फिन एलन उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए और अब बेंच पर हैं, रिंकू सिंह पूरी तरह से फॉर्म से बाहर हैं, जबकि अजिंक्य रहाणे दबाव में दिख रहे हैं। केकेआर पावरप्ले में सबसे खराब बल्लेबाजी करने वाली टीमों में से भी है, जिसने छह मैचों में इस चरण में 12 विकेट गंवाए हैं, जबकि प्रति ओवर नौ रन से थोड़ा अधिक ही बना पाई है। रविवार को चुनौती यह भी होगी कि राजस्थान रॉयल्स पावरप्ले में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करने वाली टीम रही है। रॉयल्स अपने पिछले मैच में सनराइजर्स से मिली 57 रन की हार के बाद वापसी के लिए बेताब होंगे, जो चार प्रभावशाली जीत के बाद एक अप्रत्याशित घटना थी। इसे सुधारना उनकी प्राथमिकता होगी।

यह मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा। सीजन की शुरुआत में कुछ बारिश के बाद, कोलकाता के अपने गर्म और आर्द्र गर्मी के मौसम में लौटने की उम्मीद है, जिसमें तापमान 36 डिग्री तक पहुंच सकता है।

यह मैदान स्पिनरों के पक्ष में रहा है और गर्म धूप में सतह के पकने के साथ, धीमी गति के गेंदबाजों के लिए कुछ मदद मिल सकती है। आमने-सामने के मुकाबलों में, केकेआर कुल मिलाकर 16-14 से आगे है और ईडन गार्डन्स में मैचों में 7-4 से आगे है।

कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए कैमरून ग्रीन ने अहमदाबाद में जीटी के खिलाफ गेंदबाजी नहीं की थी। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने स्पष्ट किया कि ग्रीन ने ऐंठन के कारण गेंदबाजी नहीं की, लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या वह गेंदबाजी के लिए उपलब्ध होंगे। मथीशा पथिराना अभी तक टीम में शामिल नहीं हुए हैं। वरुण चक्रवर्ती का आरआर के खिलाफ अनुकूल रिकॉर्ड रहा है, उन्होंने 10 मैचों में 18 के औसत से 13 विकेट लिए हैं। केकेआर अपने स्पिन जादूगर पर निर्भर रहेगी कि वह इस करो या मरो जैसे मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन करें। राजस्थान रॉयल्स की ओर से कोई चोट की खबर नहीं है। आरआर के स्पिनरों ने इस सीजन में 15.85 के औसत से 14 विकेट लिए हैं और उनका संघर्षरत केकेआर बल्लेबाजी क्रम के खिलाफ, खासकर स्पिन के खिलाफ उनकी लड़ाई निर्णायक हो सकती है।

टीम इस प्रकार है

सनराइजर्स हैदराबादः ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, पैट कमिंस, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जीशान अंसारी।

चेन्नई सुपर किंग्सः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, आयुष म्हात्रे, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, नूर अहमद, अकील हुसैन, प्रशांत वीर, कार्तिक शर्मा, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, सरफराज खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जैकरी फॉल्क्स, रामकृष्ण घोष और मुकेश चौधरी।

भारतीय महिला हॉकी टीम का अर्जेंटीना के खिलाफ शानदार कम बैक

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। यहां खेली गई चार मैचों की श्रृंखला में भारतीय महिला हॉकी टीम ने अद्भुत दृढ़ संकल्प और जुझारूपन का प्रदर्शन करते हुए मेजबान अर्जेंटीना के खिलाफ सीरीज को 2-2 से बराबर कर लिया। शुरुआती दो मैचों में हार का सामना करने के बाद टीम इंडिया ने जिस तरह से वापसी की, वह उनके मानसिक मजबूती और आने वाले बड़े मुकाबलों के लिए तैयार रहने का स्पष्ट संकेत है। यह प्रदर्शन न केवल टीम का आत्मविश्वास बढ़ाएगा, बल्कि भारतीय हॉकी के भविष्य के लिए भी सकारात्मक संकेत देता है। श्रृंखला का आगाज भारत के लिए निराशाजनक रहा, जहां 13 अप्रैल को खेले गए पहले मैच में अर्जेंटीना ने अपनी आक्रामक रणनीति और बेहतरीन तालमेल का प्रदर्शन करते हुए भारत को 4-2 से पराजित किया। भारत के लिए नवनीत कौर और अन्नु ने कुछ उम्मीदें जगाईं, लेकिन मेजबान टीम की फॉरवर्ड जूलिएटा जांकुनास ने दो गोल दागकर अपनी टीम को मजबूत बढ़त दिलाई। दूसरा मैच भी भारत के हाथ से निकल गया, जब अर्जेंटीना ने 2-1 से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में भारत के लिए इशिका ने एकमात्र गोल किया, जबकि आगस्टिना गोर्जेलानी ने दो गोल कर अर्जेंटीना को लगातार दूसरी जीत दिलाते हुए सीरीज में 2-0 की बढ़त दिला दी। इन शुरुआती झटकों के बाद भारतीय टीम पर सीरीज गंवाने का खतरा मंडराने लगा था।

हालांकि, भारतीय टीम ने हार नहीं मानी और 16 अप्रैल को खेले गए तीसरे मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए 2-1 से जीत हासिल की। इस मैच में नवनीत कौर और नेहा ने महत्वपूर्ण गोल दागे, जिससे टीम को न केवल सीरीज में वापसी का मौका मिला, बल्कि खिलाड़ियों का आत्मविश्वास भी बढ़ा। इस जीत ने टीम में एक नई ऊर्जा का संचार किया और आगामी मुकाबले के लिए मजबूत आधार तैयार किया। 17 अप्रैल को खेले गए चौथे और निर्णायक मैच में दोनों टीमों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली। निर्धारित समय तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी, क्योंकि भारतीय डिफेंस ने अर्जेंटीना के हर आक्रमण को विफल करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। अंततः मैच का फैसला शूटआउट से हुआ, जहां भारत ने 3-2 से रोमांचक जीत हासिल कर सीरीज को 2-2 से बराबर कर लिया। यह जीत भारतीय महिला हॉकी टीम की दबाव में भी शांत रहने और बेहतरीन प्रदर्शन करने की क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण रही।

कार्यवाहक कप्तान नवनीत कौर ने टीम के इस शानदार प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, पहले दो मैच हारने के बाद जिस तरह से टीम ने वापसी की, उससे मैं बहुत खुश हूँ। अर्जेंटीना जैसी मजबूत टीम के खिलाफ यह वापसी आसान नहीं थी, लेकिन हमारी टीम ने असाधारण जज्बा दिखाया। उन्होंने आगे जोर देकर कहा, यह दर्शाता है कि भारतीय महिला हॉकी टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है और हम बड़े मुकाबलों में दबाव को कुशलता से संभाल सकते हैं। यह श्रृंखला भारतीय टीम के लिए एक महत्वपूर्ण अनुभव साबित हुई है, जो उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए और भी मजबूत बनाएगी।

दिल्ली ने बेंगलुरु को 6 विकेट से हराया, केएल राहुल का अर्धशतक

बेंगलुरु (एजेंसी)। आईपीएल के एक रोमांचक मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 6 विकेट से हरा दिया। दिल्ली कैपिटल्स को आखिरी ओवर में 15 रन चाहिए थे। डेविड मिलर ने लगातार दो छक्के और एक चौका लगाकर एक बॉल रहते जीत दिला दी।

टॉस हार कर बैटिंग कर रही बेंगलुरु ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 175 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने 19.5 ओवर में 6 विकेट रहते टारगेट चेज कर लिया।

176 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी दिल्ली की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने पावरप्ले में ही 3 विकेट गंवा दिए। तीनों विकेट भुवरेश्वर कुमार ने लिए। हालांकि ओपनर केएल राहुल एक एंड से टिके रहे और अर्धशतक लगाया। उनके और ट्रिस्टन स्टब्स के बीच चौथे विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी हुई।

दिल्ली कैपिटल्स की टीम तीसरी जीत के साथ पॉइंट्स टेबल के चौथे स्थान पर आ गई है। जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 8 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर है।

SAI तक पहुंची कोच की काली करतूतें? नीरज चोपड़ा और सुमित अंतिल ने लगाए शोषण के आरोप, किए चौंकाने वाले खुलासे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीरज चोपड़ा और सुमित अंतिल ने जैवलिन कोच नवल सिंह पर मानसिक उत्पीड़न और गाली-गलौज के गंभीर आरोप लगाए हैं। स्र्ढ्ढ को सौंपी गई शिकायत में कोच के व्यवहार का खुलासा हुआ है।

एथलेटिक्स में खासकर जैवलिन थ्रो के जरिए भारत ने हाल के वर्षों में बड़ी पहचान बनाई है, जिसमें नीरज चोपड़ा की अहम भूमिका रही है। उनके साथ ही पैरालंपिक में सुमित आंतिल ने लगातार दो गोल्ड मेडल जीतकर इस खेल को देश में और लोकप्रिय बना दिया।

लेकिन अब इन दोनों स्टार खिलाड़ियों ने एक भारतीय जैवलिन कोच पर गंभीर आरोप लगाकर खेल जगत में हलचल मचा दी है। नीरज चोपड़ा, सुमित अंतिल और कुछ अन्य खिलाड़ियों ने कोच नवल सिंह पर मानसिक उत्पीड़न और अभद्र भाषा के इस्तेमाल के आरोप लगाए हैं।

खिलाड़ियों को गाली-गलौज का आरोप

एक रिपोर्ट के अनुसार, इन खिलाड़ियों ने Sports Authority of India (SAI) को लिखित शिकायत सौंपी है। इसमें आरोप है कि नवल सिंह शराब के नशे में खिलाड़ियों को गाली-गलौज से भरे वॉयस मैसेज भेजते हैं। शिकायत में यह भी कहा गया है कि वह खिलाड़ियों के साथ-साथ उनके परिवारों के लिए भी आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हैं।

सुमित अंतिल ने की शिकायत

इस मामले में मुख्य शिकायतकर्ता सुमित अंतिल हैं, जिन्होंने पहले भी SAI और पैरालंपिक Committee of India के सामने यह मुद्दा उठाया था। लेकिन कार्रवाई न होने पर उन्होंने 10 अप्रैल को औपचारिक लिखित शिकायत दर्ज कराई। सुमित ने कहा कि वह विवाद से दूर रहना चाहते हैं, लेकिन बार-बार हो रही घटनाओं के कारण उन्हें यह कदम उठाना पड़ा।

वहीं Neeraj Chopra ने भी सुमित के आरोपों का समर्थन करते हुए कोच के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस तरह की भाषा और व्यवहार न सिर्फ अनुचित है, बल्कि बेहद शर्मनाक और गैर-पेशेवर भी है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि खिलाड़ियों और उनके परिवारों के प्रति इस तरह का रवैया खेल भावना और शिष्टाचार के खिलाफ है।

जोस बटलर टी20 में 300 कैच पूरे करने वाले दुनिया के चौथे खिलाड़ी बने

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में बल्ले से रन बनाने को तरस रहे गुजरात टाइटंस के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ एक बड़ी और अनोखी उपलब्धि हासिल की। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस महत्वपूर्ण मैच में, इंग्लैंड के इस अनुभवी खिलाड़ी ने कगिसो रबाडा की गेंद पर अंगक्रिश रघुवंशी का शानदार कैच लपका। रघुवंशी का यह कैच पकड़कर बटलर ने टी20 क्रिकेट में 300 कैच पूरे करने वाले दुनिया के चौथे खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। यह एक विकेटकीपर के लिए असाधारण उपलब्धि है, जो उनकी फिटनेस, एकाग्रता और विकेटकीपिंग कौशल का प्रमाण है। उनसे पहले, क्रिकेट जगत में यह उल्लेखनीय उपलब्धि केवल तीन अन्य खिलाड़ियों वेस्टइंडीज के कीरोन पोलार्ड, साउथ अफ्रीका के डेविड मिलर और साउथ अफ्रीका के ही क्विंटन डी कॉक ने हासिल की थी। अहमदाबाद में केकेआर और जीटी के बीच खेला गया आईपीएल 2026 का यह मैच जोस बटलर के करियर का 498वां टी20 मैच था। यह आंकड़ा उनकी लंबी और सफल टी20 करियर को दर्शाता है,

जिसमें उन्होंने विभिन्न लीगों और अंतरराष्ट्रीय मैचों में लगातार प्रदर्शन किया है। टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच लेने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड के नाम है। पोलार्ड ने 2006 से अब तक एक दर्जन से अधिक टीमों के लिए कुल 735 टी20 मैचों में 405 कैच लिए हैं, जो उनकी असाधारण फील्डिंग क्षमता का प्रमाण है। उनके बाद, डेविड मिलर का नंबर आता है, जिन्होंने 561 मैचों में 332 कैच पकड़े हैं, और फिर क्विंटन डी कॉक हैं, जिन्होंने 440 मैचों में 316 कैच लपके हैं। जोस बटलर का इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल होना उनकी विकेटकीपिंग और फील्डिंग कौशल को एक नई पहचान देता है। आईपीएल में सबसे ज्यादा कैच लेने का रिकॉर्ड भारतीय क्रिकेट के महान कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नाम है।

आईपीएल में आज अजेय पंजाब किंग्स के सामने पंत की लखनऊ सुपर जाइंट्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। रविवार को मुल्लांपुर के महाराजा यादविंदर सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले आईपीएल मुकाबले में पंजाब किंग्स अपनी जीत की लय को बरकरार रखने के इरादे से लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ मैदान में उतरेगी। इस सीजन में पंजाब किंग्स का प्रदर्शन अब तक शानदार रहा है और टीम ने जबरदस्त फॉर्म दिखाई है, जबकि लखनऊ सुपर जाइंट्स लगातार संघर्ष करती नजर आ रही है। कप्तान ऋषभ पंत की चोट ने लखनऊ की मुश्किलों को और भी बढ़ा दिया है, जिससे यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बन गया है।

पंजाब किंग्स ने इस सीजन में अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है, जहाँ टीम ने अपने शुरुआती मैचों में शानदार खेल दिखाते हुए अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराई है। उनकी बल्लेबाजी में गहराई और गेंदबाजी में धार स्पष्ट रूप से दिखाई दी है, जो उन्हें इस मुकाबले में मजबूत दावेदार बनाती है। टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए विशेष रूप से महारत हासिल की है, जहाँ उन्होंने हाल के मैचों में दबाव में भी संयम और आक्रामकता का बेहतरीन मिश्रण दिखाया है।

इसके विपरीत, लखनऊ सुपर जाइंट्स फिलहाल अंक तालिका में निचले पायदानों पर संघर्ष कर रही है और लगातार दो हार के बाद टीम पर दबाव साफ दिखाई दे रहा है। उनका प्रदर्शन इस सीजन में उतार-चढ़ाव भरा रहा है, जिससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास भी प्रभावित हुआ है। पिछले मुकाबले में कप्तान ऋषभ पंत का महज तीन गेंद खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो जाना,

लखनऊ के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बन गया है। हालांकि बाद में वह बल्लेबाजी के लिए लौटे, लेकिन उनकी कोहनी पर बंधी पट्टी उनकी फिटनेस को लेकर संशय बनाए हुए है, जो टीम के बल्लेबाजी क्रम को कमजोर कर सकता है।

लखनऊ की बल्लेबाजी इस सीजन में उनकी कमजोर कड़ी साबित हुई है। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ पिछले मुकाबले में टीम केवल 146 रन ही बना सकी थी, जहाँ मुकुल चौधरी और आयुष बदोनी ने कुछ संघर्ष जरूर किया, लेकिन टीम एक बड़ा स्कोर खड़ा करने में विफल रही। पूरे सीजन में टीम अभी तक 200 रन का आंकड़ा पार नहीं कर पाई है, जो उनकी बल्लेबाजी की गहराई और आक्रमण में कमी को दर्शाता है। इसके विपरीत, पंजाब किंग्स की बल्लेबाजी ने इस सीजन में अपनी ताकत दिखाई है, जहाँ उन्होंने कई बार 200 से अधिक रन बनाए हैं। प्रभसिमरन सिंह जैसे खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी काफी प्रभावशाली रहा है, जिससे टीम को तेजी से रन बनाने में मदद मिलती है।

लखनऊ की गेंदबाजी इकाई में प्रिंस यादव, आवेश खान जैसे गेंदबाज शामिल हैं, जिन्होंने कुछ विकेट चटकाए हैं। लेकिन टीम को और अधिक निरंतरता और प्रभावी प्रदर्शन की आवश्यकता होगी, खासकर तब जब पंजाब के बल्लेबाज अच्छी लय में हों। लखनऊ के मुकुल चौधरी, एडेन मार्करम, मिचेल मार्श और निकोलस पूरन जैसे बल्लेबाजों से उम्मीद होगी कि वे इस महत्वपूर्ण मुकाबले में बड़ी और आक्रामक पारियां खेलकर टीम को मजबूत स्थिति में लाएं, ताकि टीम अपनी हार की लकीर को तोड़ सके और अंक तालिका में अपनी स्थिति सुधार सके। यह मुकाबला पंजाब के लिए अपनी जीत की दौड़ जारी रखने का अवसर है, जबकि लखनऊ के लिए यह सीजन में वापसी करने का एक महत्वपूर्ण मौका है।

टीमें इस प्रकार हैं-

पंजाब किंग्स = प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कूपर कोनोली, श्रेयस अय्यर (कप्तान), शशांक सिंह, नेहल वढेरा, मार्कस स्टोइनिस, मार्को जानसन, जेवियर बार्टलेट, विजयकुमार विशाक, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल

लखनऊ सुपर जायंट्स = मिशेल मार्श, एडेन मार्कराम, ऋषभ पंत (विकेटकीपर/कप्तान), निकोलस पूरन, अब्दुल समद, मुकुल चौधरी, मणिमारन सिद्धार्थ, अवेश खान, मोहम्मद शमी, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव

सनराइजर्स हैदराबाद में हुई खुंखार गेंदबाज की एंट्री, विरोधियों पर कितना ढाएगें कहर!

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में अपनी स्थिति मजबूत करने की जुगत में लगी सनराइजर्स हैदराबाद ने अपने दल में एक महत्वपूर्ण बदलाव किया है। टीम ने घातक तेज गेंदबाज डेविड पेन के चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद उनकी जगह दक्षिण अफ्रीका के उभरते हुए सितारे जेराल्ड कोएत्जी को शामिल किया है। पेन ने इस सीजन में फ्रेंचाइजी के लिए सिर्फ दो मैच ही खेले थे, जिसके बाद टखने की गंभीर चोट ने उन्हें शेष टूर्नामेंट से वंचित कर दिया। जेराल्ड कोएत्जी, जिनकी उम्र मात्र 25 साल है, अपने अनुभव और आक्रामक गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। वह इस साल की नीलामी में किसी भी टीम द्वारा नहीं चुने गए थे, लेकिन उनका आईपीएल रिकॉर्ड प्रभावशाली रहा है। इससे पहले उन्होंने मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस जैसी मजबूत फ्रेंचाइजियों के लिए खेलते हुए 14 मैचों में 15 महत्वपूर्ण विकेट अपने नाम किए हैं। उनकी सटीक यॉर्कर्स और गति विरोधियों के लिए हमेशा चुनौती रही है। सनराइजर्स हैदराबाद ने इस तेज गेंदबाज को 2 करोड़ रुपये की कीमत पर अपने साथ जोड़कर अपनी गेंदबाजी इकाई को और धारदार बनाया है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी कोएत्जी ने अपनी पहचान बनाई है। वह हाल ही में संपन्न हुए दक्षिण अफ्रीका की टी20 विश्व कप टीम का अहम हिस्सा थे, हालांकि उन्हें दुर्भाग्यवश टूर्नामेंट के दौरान एक भी मैच में खेलने का अवसर नहीं मिल पाया था। विश्व कप के तुरंत बाद उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई सभी पांच टी20 मैचों में भाग लिया, जहाँ उन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया और अपनी फॉर्म व फिटनेस का संकेत दिया। उनकी यह वापसी टीम के लिए निश्चित रूप से फायदेमंद साबित होगी। टीम के लिए एक और बड़ी खबर यह है कि उनके कप्तान पैट कमिंस भी अब टीम से जुड़ चुके हैं। कमिंस 17 अप्रैल, शुक्रवार को दल में शामिल हुए और अब वह 25 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले के लिए पूरी तरह से उपलब्ध रहेंगे। उनकी कप्तानी और अनुभव टीम के मध्यक्रम और गेंदबाजी आक्रमण को नई ऊर्जा देगा। फिलहाल सनराइजर्स हैदराबाद अंक तालिका में पांचवें स्थान पर संघर्ष कर रही है और प्लेऑफ की दौड़ में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए हर मैच महत्वपूर्ण है। कोएत्जी और कमिंस जैसे खिलाड़ियों की उपलब्धता से टीम को आगामी मैचों में आवश्यक गति और संतुलन मिलने की उम्मीद है, जिससे वे अपनी अभियान को सफल बना सकें।

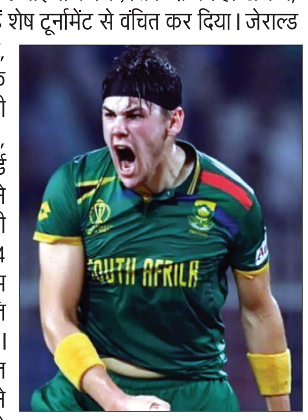

स्मृति मंधाना ने क्रिकेट जगत में रचा इतिहास: रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ बनीं भारत की सबसे सफल टी20 बल्लेबाज

–दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में हासिल की उपलब्धि

डरबन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार ओपनर स्मृति मंधाना ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुक्रवार को डरबन में खेले गए पहले टी20 मैच के दौरान मंधाना ने पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ दिया। रोहित शर्मा ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद संन्यास लेने से पहले 159 मैचों में 4,231 रन बनाए थे। मंधाना ने अपनी 13 रनों की पारी के दौरान जैसे ही दूसरा रन पूरा किया, वह टी20 इंटरनेशनल (पुरुष और महिला दोनों वर्गों में) भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गईं। अब उनके नाम 161 मैचों में 4,244 रन दर्ज हैं।

किंग्समीड स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारतीय टीम को हालांकि 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाबाद 47 रनों की बदौलत 20 ओवर में 157/7 का स्कोर बनाया था। स्मृति मंधाना इस मैच में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहीं और 14 गेंदों पर 13 रन बनाकर आउट हो गईं, लेकिन अपनी छोटी सी पारी में उन्होंने वह ऐतिहासिक रन बटोर लिया जिसकी प्रतीक्षा क्रिकेट जगत को थी। दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट (51) और एनेरी डर्कसेन (44*) की शानदार बल्लेबाजी की मदद से 19.1 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

स्मृति मंधाना अब महिला टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के इतिहास में दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। इस सूची में शीर्ष पर न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स (4,717 रन) का नाम आता है। पुरुषों के टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड फिलहाल पाकिस्तान के बाबर आजम (4,596 रन) के नाम है। रोहित शर्मा के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ना मंधाना के करियर की एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, क्योंकि वह अभी सक्रिय खिलाड़ी हैं और आने वाले समय में वे सूजी बेट्स और बाबर आजम के आंकड़ों को भी चुनौती दे सकती हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच सीरीज का दूसरा मैच 19 अप्रैल को खेला जाएगा।

15 साल के इंतजार के बाद बांग्लादेश में वनडे खेलेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम, टी20 सीरीज का भी ऐलान

नई दिल्ली । पंद्रह साल के लंबे इंतजार के बाद ऑस्ट्रेलिया की पुरुष क्रिकेट टीम बांग्लादेश के दौरे पर वनडे सीरीज खेलने वाली है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने खुद इस बात की पुष्टि की है कि ऑस्ट्रेलिया की टीम सीमित ओवरों की सीरीज के लिए जून 2026 में बांग्लादेश का दौरा करेगी। इस महत्वपूर्ण दौरे पर बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे इंटरनेशनल सीरीज खेली जाएगी, जिसके बाद इतने ही मैचों की टी20 सीरीज का भी आयोजन होगा। इस दौरे का पूरा शेड्यूल भी सामने आ गया है, जिससे क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह है। ऑस्ट्रेलिया की टीम का यह दौरा 9 जून को वनडे इंटरनेशनल सीरीज के साथ शुरू होगा और 21 जून तक चलेगा। वनडे सीरीज के तीनों मैच ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे, जो बांग्लादेश के प्रमुख क्रिकेट मैदानों में से एक है। वहीं, टी20 सीरीज की मेजबानी चटग्राम का बीर श्रेष्ठो फ्लाइट लेफ्टीनेट मातिउर रहमान स्टेडियम करेगा। इस सीरीज के लिए एक नई ब्रॉडकास्टिंग राइट्स डील भी हुई है, जिससे ऑस्ट्रेलिया में गेम्स का टेलीकास्ट हो सकेगा। वनडे और टी20 सीरीज ऑस्ट्रेलिया में फॉक्स क्रिकेट और कायो स्पोर्ट्स पर देखने को मिलेगी। यह ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसकों के लिए एक बड़ी खबर है, क्योंकि इससे पहले जो टी20 सीरीज बांग्लादेश में खेली गई थी, उसका प्रसारण ऑस्ट्रेलिया में नहीं किया गया था।

अक्षय कुमार ने असरानी को किया याद

- '12 फिल्मों में साथ किया काम, हर बार मास्टरक्लास जैसा था'

अभिनेता अक्षय कुमार दर्शकों के लिए अपनी आने वाली फिल्म 'भूत बंगला' पेश करने के लिए पूरी तैयार है। इस फिल्म में उनके साथ वामिका गब्बी, तब्बू, परेश रावल, राजपाल यादव, मिथिला पालकर और असरानी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इस बीच अक्षय कुमार ने दिवंगत अभिनेता असरानी के साथ अपने लंबे सफर को याद करते हुए एक भावुक पोस्ट साझा किया। अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम पर असरानी के साथ ब्लैक एंड व्हाइट एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में दोनों कुर्सियों पर बैठे नजर आ रहे है और कुछ पढ़ते दिख रहे है। इस तस्वीर के साथ अक्षय कुमार ने कैप्शन में लिखा, ''कभी-कभी एक तस्वीर सिर्फ यादों का टुकड़ा नहीं होती। एक पूरी यात्रा को समेटती है। ये तस्वीर हमारी 'भूत बंगला' की शूटिंग से है। असरानी जी के साथ ये मेरी दूसरी और आखिरी फिल्म थी।'' कुल 12 फिल्में हमने साथ की और हर एक में मैंने उनसे कुछ नया सीखा। हर बार यह एक मास्टरक्लास थी।

अक्षय कुमार ने अपने पोस्ट में बताया, ''मैंने असरानी के साथ कुल 12 फिल्मों में काम किया है। हर बार उनसे बहुत कुछ नया सीखा। हर बार मास्टरक्लास जैसा था।''

अक्षय कुमार ने असरानी की सबसे बड़ी खासियत के बारे में बात करते हुए कहा, ''जब वह परदे पर कॉमेडी करते थे, तो सब बहुत आसान लगता था। लेकिन असल में लोगों को हंसाना एक मुश्किल कला है, जिसे हर कोई नहीं कर सकता। असरानी कॉमेडी के उस्ताद थे और उनकी जगह लेना किसी के लिए आसान नहीं है।'' अक्षय कुमार ने आगे कहा, 'मेरे लिए 'भूत बंगला' सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि एक भावनात्मक अनुभव है। यह मेरे लिए एक याद, एक श्रद्धांजलि और एक सम्मान है, जो मैं असरानी को देना चाहता हूं। असरानी हमेशा यादों में जिंदा रहेंगे और उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता।''

असरानी का निधन अक्टूबर 2025 में 84 वर्ष की उम्र में हुआ था, लेकिन उनकी कला आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है।

नीना गुप्ता ने गजराज राव संग तस्वीर साझा कर जाहिर की दिल की बात

'फिर साथ काम करने का इंतजार'

फिल्मी दुनिया में कुछ जोड़ियां ऐसी बन जाती हैं, जिन्हें दर्शक लंबे समय तक याद रखते हैं। ऐसी ही एक जोड़ी है, अनुभवी अभिनेत्री नीना गुप्ता और अभिनेता गजराज राव की। इस कड़ी में नीना गुप्ता ने एक खास तस्वीर साझा की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने अपनी दिल की बात जाहिर की, जिसने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। नीना गुप्ता द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर में दोनों कलाकार बेहद सादगी के साथ कैमरे के लिए पोज देते नजर आ रहे हैं। नीना गुप्ता ने प्रिंटेड साड़ी पहन रखी है, वहीं गजराज राव भी अपने खास स्टाइल में नजर आ रहे हैं। उन्होंने ब्लैक कलर की नेहरू जैकेट पहनी हुई है। इस तस्वीर को साझा करते हुए नीना गुप्ता ने लिखा, ''मैं गजराज राव के साथ दोबारा काम करने का इंतजार कर रही हूं।''

आयुष्मान खुराना ने एक्टर को बताया लीजेंड

रणबीर कपूर टाइम मैगजीन के 100 प्रभावशाली लोगों में शामिल

'रामायण' में राम का किरदार निभाने जा रहे अभिनेता रणबीर कपूर के नाम एक खास उपलब्धि जुड़ी है। रणबीर 2026 के टाइम मैग्जीन के 100 सबसे प्रभावशाली हस्तियों में शामिल हैं। जानिए रणबीर के लिए मैग्जीन की ओर से क्या कहा गया...

टाइम मैग्जीन ने 2026 के 100 सबसे प्रभावशाली हस्तियों की सूची जारी की है। इस प्रतिष्ठित सूची में बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर का भी नाम शामिल है। रणबीर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। रणबीर के अलावा लिस्ट में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और शेफ विकास खन्ना का भी नाम शामिल है।

आयुष्मान खुराना ने लिखा रणबीर के लिए लेख

आज जारी हुई इस लिस्ट में वित्त, मनोरंजन, टेक्नोलॉजी, खेल, सामाजिक कार्य और शिक्षा जगत सहित विभिन्न क्षेत्रों की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हैं। हालांकि, रणबीर कपूर की ओर से अब तक इस उपलब्धि पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। फीचर में रणबीर कपूर के लिए लिखा गया लेख अभिनेता आयुष्मान खुराना ने लिखा है। इसमें आयुष्मान ने लिखा, 'कुछ अभिनेता विरासत बनाने के लिए संघर्ष करते हैं और कुछ अपनी कला से ही विरासत बन जाते हैं। रणबीर कपूर इसी श्रेणी में आते हैं। भारतीय सिनेमा जैसी इंडस्ट्री में हम अक्सर महानता को शोर-शराबे से मापते हैं, बॉक्स ऑफिस कलेक्शन, फैंस की दीवानगी, ओपनिंग वीकेंड। लेकिन कभी-कभी कोई अभिनेता कुछ ऐसा कर दिखाता है, जो शांत होते हुए भी कहीं अधिक स्थायी होता है। दर्शकों के रूप में हमारी इमोशनल शब्दावली। रणबीर यही काम अपनी फिल्मों के साथ करते आ रहे हैं।'

विश्व स्तर पर हमारे कल्चर को दिखा रहे रणबीर

अपने लेख में आयुष्मान ने आगे लिखा, 'ऐसी दुनिया में जहां अभिनय को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है, रणबीर उसे अपने भीतर उतारते हैं। वो शांत संयम से हमारे कल्चर को दिखाते हैं। वो उस भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं जो अंततः खुद को सुनना सीख रहा है और अपनी सरल प्रामाणिकता से एक छाप छोड़ते हैं। वैश्विक स्तर पर रणबीर जैसे अभिनेता महत्वपूर्ण कल्चरल ब्रिज (पुल) बन जाते हैं।

वो एक ऐसे भारत का प्रतीक हैं, जो न केवल आकार में बल्कि संवेदनशीलता में भी विकसित हो रहा है। हमारा सिनेमा दुनिया को प्रभावित कर रहा है। रणबीर सिर्फ एक फिल्म स्टार नहीं हैं, बल्कि एक कहानीकार हैं जो ग्लोबल ऑडियंस से बात कर रहे हैं। उन्हें एक ऐसे पौराणिक देश की कहानियां सुना रहे हैं, जहां रामायण जैसे महाकाव्यों ने अन्य सभ्यताओं और संस्कृतियों को प्रेरित किया है।'

अरिजीत सिंह की फैन बनीं निकिता गांधी, कहा- 'उनके सफर से मैंने बहुत कुछ सीखा है'

बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय फिल्मों में अपने बहुमुखी गायन से फैंस के दिलों में खास जगह बना चुकी निकिता गांधी ने अरिजीत सिंह के साथ कई गानों में अपनी आवाज दी है। उन्होंने हाल ही में के साथ बातचीत में बताया कि वे अरिजीत की बहुत बड़ी फैन हैं। निकिता कहती हैं, 'मैं अरिजीत की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं और मैं उनके सफर और गायकी का बहुत सम्मान करती हूं। मैं खुद भी एक बहुमुखी गायिका हूं। मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि मैंने उनके सफर से बहुत कुछ सीखा है। बेशक, इस बात का बहुत दुख है कि अभी वे नए दौर से गुजर रहे हैं, लेकिन उन्होंने बहुत सारा काम किया है और इस इंडस्ट्री को अपना बहुत कुछ दिया है।' निकिता गांधी ने आगे अपने सफर को याद किया। उन्होंने बताया कि पहले फिल्मों में गाना शुरू किया, उसके बाद अपना इंडी म्यूजिक रिलीज किया। आमतौर पर लोग पहले इंडी करते हैं और फिर फिल्मों में आते हैं, लेकिन मेरा सफर उल्टा रहा। कॉलेज के दिनों में मैंने तमिल फिल्मों में गाना शुरू किया। उस समय म्यूजिक इंडस्ट्री में आने का मेरा कोई भी प्लान नहीं था, लेकिन साउथ इंडस्ट्री और फिर बॉलीवुड में मौका मिला। उसके बाद उन्होंने अपना करियर शुरू किया। निकिता कहती हैं, 'यह बहुत अलग और शानदार सफर रहा, क्योंकि मैंने कभी सिंगर बनने का सपना नहीं देखा था। इसलिए, मैंने इसे प्यार से किया और अपने करियर का पूरा मजा लिया। लाइव परफॉर्मेंस और स्टूडियो रिकॉर्डिंग के बीच अंतर पर बात करते हुए निकिता ने बताया कि दोनों अनुभव बिल्कुल अलग हैं। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत हैं। लाइव शो में दर्शकों की मिली-जुली ऊर्जा मिलती है, जो बहुत खास होती है। वह पल उसी समय का होता है और चला जाता है। हर कोई उस अनुभव को महसूस करता है। दूसरी ओर, स्टूडियो में रिकॉर्डिंग करते समय परफेक्शन पर जोर होता है। जब आप स्टूडियो में सॉन्ग रिकॉर्ड करते हैं, तो परफेक्शन के लिए तीन-चार बार टेक लेते हैं, जब तक गाना एकदम सही न हो जाए। क्योंकि यह रिकॉर्डेड चीज हमेशा के लिए रह जाती है। इसलिए इसे जितना बेहतर बना सकते हैं, उतना बेहतर बनाते हैं। इसमें समय और कड़ी मेहनत लगती है।

शूटिंग के दौरान जब

तेज लहरों के बीच फंस गई थीं लारा

कभी-कभी फिल्मी दुनिया की चमक-दमक के पीछे ऐसी कहानियां छिपी होती हैं, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह जाता है। लारा दत्ता की जिंदगी में भी कुछ ऐसा ही हुआ, जब फिल्म की शूटिंग के दौरान वह एक मुश्किल में फंस गई, जिसमें उनकी जान जाते-जाते बची। साल 2003 में लारा दत्ता ने फिल्म 'अंदाज' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार और प्रियंका चोपड़ा नजर आए। पहली ही फिल्म से उन्हें काफी सराहना मिली और बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस का पुरस्कार भी मिला। इसी फिल्म की शूटिंग के दौरान एक ऐसा हादसा हुआ, जिसने उस वक्त सभी को डरा दिया था। फिल्म के एक गाने की शूटिंग समुद्र के किनारे हो रही थी। लारा को पानी से डर लग रहा था, लेकिन शूटिंग के लिए वह लहरों के बीच गई। अचानक एक ऊंची लहर आई और उनका संतुलन बिगड़ गया। वह पानी के साथ बहने लगीं। उस समय वहां मौजूद सभी लोग घबरा गए, लेकिन अक्षय कुमार ने बिना समय गंवाए समुद्र में छलांग लगा दी और अपनी जान की परवाह किए बिना लारा को सुरक्षित बाहर ले आए। यह घटना उनके लिए बहुत डरावनी थी, लेकिन इसी ने उनकी हिम्मत को और मजबूत किया। इसके बाद लारा दत्ता ने 'मस्ती', 'नो एंट्री', 'भागम भाग', 'पार्टनर' और 'हाउसफुल' जैसी कई फिल्मों में काम किया। समय के साथ लारा ने फिल्मों के अलावा टीवी और वेब सीरीज में भी काम किया। उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए और खुद को हर बार साबित किया।

शत्रुघ्न सिन्हा ने गुलशन ग्रोवर से जताई इच्छा; 'बैडमैन' ने दिया ये रिएक्शन

'तुम्हें होना चाहिए था रहमान डकैत'

बॉलीवुड के 'बैड मैन' कहे जाने वाले गुलशन ग्रोवर इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज 'मटका किंग' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस सीरीज में वो विजय वर्मा के साथ अहम भूमिका में नजर आएंगे। हाल ही में उन्होंने हिंदी सिनेमा में क्राइम स्टोरीज के विकास को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने कहा कि उन्हें अब बड़े और खूंखार विलेन के दौर की याद आती है। इस दौरान एक्टर ने 'धुरंधर' और रहमान डकैत के किरदार को लेकर भी बात की।

वक्त के साथ बदलना जरूरी है

इंडिया टुडे के साथ बातचीत के दौरान गुलशन ग्रोवर ने सिनेमा में क्राइम कहानियों के विकास और बदलाव को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि विकास और बदलाव हर जगह हो रहे हैं। चाहे वह कहानी कहने का तरीका हो, निर्देशन हो, अभिनय हो, सब कुछ बदलना तय है। मेरा मानना है कि जो लोग बदलाव के साथ नहीं चलते, वे भले ही आधुनिक कपड़े पहनते हों, लेकिन उनकी सोच पुरानी ही रहती है। आप कुछ बूढ़े लोगों को पेड़ के नीचे हुक्का पीते हुए और अपने जमाने की बातों का बखान करते देखते होंगे, मैं उनसे सहमत नहीं हूं। आपको लगातार बदलना होगा।

खौफनाक विलेन की हो गई कमी

खौफ पैदा करने वाले विलेन की कमी पर गुलशन ग्रोवर ने कहा कि यह क्रिएटिव कमी के बजाय सामाजिक बदलाव को दर्शाता है। मुझे नहीं लगता कि उन खलनायकों का गायब हो जाना कोई समस्या है। वे वापस आएंगे। क्योंकि फिल्ममेकर वही लिखते हैं, जो समाज में घट रहा होता है। वे वहीं से प्रेरणा लेते हैं। ऐसे किरदार आज कम दिखाई देते हैं, क्योंकि असल में उनके जैसे लोग कम ही देखने को मिलते हैं।

गुलशन गको रहमान डकैत के किरदार में देखना चाहते शत्रुघ्न सिन्हा

हाल ही में हुई एक मुलाकात को याद करते हुए गुलशन ग्रोवर ने एक किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि दो दिन पहले शत्रुघ्न सिन्हा, राकेश रोशन और शशि रंजन हम सब डिनर कर रहे थे। मैं देर से पहुंचा तो शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, 'मैंने धुरंधर देखी। गुलशन वो एक ऐसी फिल्म थी जिसमें आपको होना चाहिए था।' शत्रुघ्न ने ये भी कहा कि अगर मैंने अक्षय खन्ना का रहमान डकैत का किरदार निभाया होता तो कितना अच्छा होता। तो मैंने कहा, 'मैं भी इससे सहमत हूं। जनता भी सहमत है।'

पटवारी से तहसीलदार तक: बलौदा के दीपक शेखावत ने RAS 2024 में पाई 118वीं रैंक

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

जिले के बलौदा गांव निवासी दीपक सिंह शेखावत ने अपनी मेहनत, धैर्य और निरंतर प्रयासों के दम पर आरएएस 2024 परीक्षा में 118वीं रैंक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। खास बात यह है कि दीपक ने अपने करियर की शुरुआत एक साधारण पद से करते हुए प्रशासनिक सेवाओं तक का प्रेरणादायक सफर तय किया है।दीपक ने अपने करियर की शुरुआत पटवारी के रूप में की थी। इसके बाद उन्होंने ग्राम विकास अधिकारी (VDO) के पद पर भी कार्य किया। इन पदों पर काम करते हुए उन्होंने ग्रामीण प्रशासन, सरकारी योजनाओं और जमीनी स्तर की चुनौतियों को करीब से समझा। यही अनुभव आगे चलकर उनकी आरएएस की तैयारी में मजबूत आधार बना। बाद में उनका चयन पुलिस सब-इंस्पेक्टर (SI) के पद पर हुआ। यह एक चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी थी, जिसमें कठिन प्रशिक्षण और अनुशासित दिनचर्या की आवश्यकता होती है। इसके बावजूद दीपक ने अपने लक्ष्य से ध्यान नहीं हटाया। उन्होंने समय प्रबंधन का बेहतरीन उदाहरण पेश करते हुए नौकरी और पढ़ाई दोनों को संतुलित रखा। दीपक की सफलता एक ही प्रयास का परिणाम नहीं है, बल्कि कई वर्षों की मेहनत और संघर्ष का नतीजा है। आरएएस 2021 में उन्होंने 701वीं रैंक हासिल की, इसके बाद आरएएस 2023 में 226वीं रैंक प्राप्त की और अंततः आरएएस 2024 में 118वीं रैंक हासिल कर अपनी काबिलियत साबित की। हर प्रयास के साथ उन्होंने अपनी कमियों को पहचाना, रणनीति में सुधार किया और खुद को बेहतर बनाया। दीपक की इस उपलब्धि में उनके परिवार का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनके पिता कैप्टन मनोहर सिंह शेखावत हैं, बड़े भाई महावीर सिंह शेखावत भारतीय वायुसेना में सेवारत हैं, जबकि उनकी माता गृहिणी हैं। परिवार के सहयोग और प्रेरणा ने उन्हें हमेशा आगे बढ़ने का हौसला दिया। वर्तमान में दीपक तहसीलदार के रूप में प्रशिक्षण ले रहे हैं। उनकी यह सफलता न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे झुंझुनूं जिले के लिए गर्व का विषय है। दीपक की सफलता यह संदेश देती है कि अगर लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत लगातार की जाए तो कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। असफलताएं अंत नहीं होतीं, बल्कि सफलता की ओर बढ़ने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होती हैं।

बास्केटबॉल: अनु बलवदा ने झुंझुनूं को दिलाया सिल्वर मेडल, अब नेशनल में दिखाएगी दम

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

झुंझुनूं की बास्केटबॉल टीम ने राज्य स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया है। 12 से 14 अप्रैल तक आयोजित स्टेट लेवल प्रतियोगिता में एम.आर.एस. प्रनामी स्कूल की छात्रा अनु बलवदा (पुत्री सोमवीर बलवदा) ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को सिल्वर मेडल दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अनु की इस शानदार उपलब्धि के आधार पर उनका चयन राजस्थान की टीम में हुआ है। अब वह मई माह में आयोजित होने वाली नेशनल स्तर पर प्रतियोगिता में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगी। उनकी इस सफलता से परिवार, स्कूल और पूरे जिले में हर्ष का माहौल है। छात्रा की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर विद्यालय के निदेशक अनिल दाधीच, सचिव अरविंद दाधीच, प्रबंध निदेशक लेफ्टिनेंट आर.डी. शर्मा और प्रधानाचार्या निहारिका शर्मा ने अनु को मेडल पहनाकर बधाई दी। उन्होंने अनु के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए नेशनल स्तर की प्रतियोगिता में भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए अग्रिम शुभकामनाएँ दीं।

पुणे हवाई अड्डे के रनवे पर लड़ाकू विमान की हार्ड लैंडिंग, विमान परिचालन घंटों रहा ठप

पुणे (एजेंसी)। पुणे हवाई अड्डे पर शुक्रवार देर रात भारतीय वायुसेना के एक लड़ाकू विमान के साथ हुई तकनीकी दुर्घटना के बाद रनवे को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। यह घटना रात करीब 10:25 बजे उस समय हुई जब लैंडिंग के दौरान लड़ाकू विमान का लैंडिंग गियर अचानक फेल हो गया। विमान की रनवे पर हार्ड लैंडिंग हुई, जिससे वह बीच रास्ते में ही रुक गया और पूरा रनवे ब्लॉक हो गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए हवाई अड्डा प्रशासन और वायुसेना ने रनवे को साफ करने और परिचालन बहाल करने के लिए युद्धस्तर पर काम शुरू कर दिया है। भारतीय वायुसेना ने इस मामले पर आधिकारिक जानकारी साझा करते हुए बताया कि इस तकनीकी खराबी के बावजूद चालक दल (एयरक्रू) पूरी तरह सुरक्षित है और किसी भी नागरिक संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। वायुसेना के एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने प्रारंभिक अनुमान जताया कि रनवे को पूरी तरह साफ करने और उड़ानों का सामान्य आवागमन फिर से शुरू करने में कम से कम 4 से 5 घंटे का समय लग सकता है। इस आकस्मिक घटना का असर हवाई यातायात पर व्यापक रूप से देखने को मिला। फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, पुणे आने वाली कम से कम आठ उड़ानों को सूरत, गोवा, नवी मुंबई, चेन्नई और कोयंबटूर जैसे नजदीकी हवाई अड्डों की ओर डायवर्ट करना पड़ा। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने स्थिति की पुष्टि करते हुए कहा कि वे हवाई अड्डा निदेशक और वायुसेना के अधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क में हैं ताकि यात्रियों की परेशानी को जल्द से जल्द दूर किया जा सके। सभी संबंधित एयरलाइंस को इस स्थिति की सूचना दे दी गई है। रनवे बंद होने के कारण शनिवार सुबह की कई महत्वपूर्ण उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। रद्द होने वाली उड़ानों में चेन्नई, दिल्ली और बेंगलुरु से आने वाली इंडिगो और अकासा एयर की सेवाएं शामिल थीं। साथ ही पुणे से बेंगलुरु, वडोदरा और दिल्ली जाने वाली उड़ानों को भी निरस्त करना पड़ा। रनवे की बहाली की प्रक्रिया जारी रहने के कारण यात्रियों को भारी देरी और रूट में बदलाव का सामना करना पड़ रहा है, जिससे हवाई अड्डे पर यात्रियों की भारी भीड़ और अफरा-तफरी का माहौल देखा गया। प्रशासन ने यात्रियों को अपनी उड़ानों की स्थिति जांचने के बाद ही हवाई अड्डे आने की सलाह दी है।

पकड़ा गया नोएडा श्रमिक आंदोलन हिंसा का मास्टरमाइंड, पुलिस ने तमिलनाडु से आदित्य आनंद को दबोचा

नोएडा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के औद्योगिक क्षेत्र नोएडा में श्रमिक आंदोलन के दौरान हुई हिंसक घटनाओं के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए नोएडा पुलिस और विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की संयुक्त टीम ने मुख्य साजिशकर्ता (मास्टरमाइंड) तीसरे आरोपी आदित्य आनंद को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर एक लाख रूपये का इनाम घोषित था और वह घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था। शनिवार को पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि, यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त के निर्देशन और अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) के पर्यवेक्षण में की गई। जांच में सामने आया था कि श्रमिक धरना-प्रदर्शन के दौरान भड़काऊ गतिविधियों और हिंसा को अंजाम देने में आदित्य आनंद की अहम भूमिका थी। उसे इस पूरे प्रकरण का मुख्य मास्टरमाइंड माना गया। घटना के संबंध में नोएडा फेस दो थाना में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह लगातार ठिकाने बदल रहा था, जिसके चलते पुलिस ने उसकी तलाश में कई राज्यों में दबिश दी। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और अन्य तकनीकी साधनों का भी सहारा लिया गया। पुलिस को बड़ी सफलता तब मिली जब शनिवार को आरोपी को तमिलनाडु के तिरुचापल्ली रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया गया। इससे पहले गौतमबुद्धनगर न्यायालय, द्वारा उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्लू) भी जारी किया गया था। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस गिरफ्तारी से श्रमिक आंदोलन के दौरान हुई हिंसा के पूरे नेटवर्क का खुलासा होने की उम्मीद है और अन्य संलिप्त आरोपियों पर भी जल्द कार्रवाई की जाएगी।

सिंगरौली में दिनदहाड़े बैंक डकैती... 5 हथियारबंद बदमाश 15 करोड़ का सोना ले भागे

सिंगरौली (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के सिंगरौली में दिनदहाड़े बैंक डकैती का मामला सामने आया है। सिगरौली के बैढ़न स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र में शुक्रवार दोपहर 5 हथियारबंद बदमाश घुसे। फायरिंग कर करीब 9-10 किलो सोना और 20 लाख कैश लेकर फरार हो गए। सोने की कीमत करीब 15 करोड़ आंकी गई है। जानकारी के मुताबिक, लूटा गया सोना ग्राहकों का था, जिसे बैंक ने गिरवी रखकर लोन जारी किया था। सोना एक ही लॉकर में रखा गया था, इसी लॉकर को बदमाशों ने निशाना बनाया। आरोपी पिट्ठू बैग के साथ एक बड़ा कपड़े का थैला लेकर आए थे। उसी थैले में सारा माल भरकर फरार हो गए। चश्मदीद ने बताया कि जब वह अपनी पत्नी के साथ बैंक में काम करा रहे थे, तभी अचानक दो हथियारबंद बदमाश अंदर दाखिल हुए। उन्होंने तुरंत बैंक कर्मचारियों को बंधक बना लिया। इसके कुछ ही मिनटों बाद तीन और हथियारबंद साथी अंदर पहुंचे। पूरे बैंक को अपने कब्जे में ले लिया। बदमाशों ने वहां मौजूद ग्राहकों और कर्मचारियों पर बंदूक तान दी, जिससे बैंक परिसर में चीख-पुकार मच गई। मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देश पर रात करीब 10:45 बजे डीजीपी कैलाश मकवाना सिंगरौली पहुंचे। इसके पहले रीवा रेंज के आईजी साकेत प्रसाद पांडे मौके पर पहुंचे। उनके साथ रीवा से फोरेंसिक टीम भी जांच के लिए आई है।

कुल्लू जिला के मणिकर्ण में लैंडस्लाइड... मलबा और चट्टानें सड़क से गुजर रही गाड़ी पर गिरीं

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिला के मणिकर्ण में शनिवार सुबह लैंडस्लाइड हो गया। इसका मलबा और चट्टानें सड़क से गुजर रही गाड़ी पर गिरीं, इससे कई गाड़ी चकनाचूर हो गई। गनीमत यह रही कि कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। लैंडस्लाइड की यह घटना बरशैणी घट्टीगढ़ पॉइंट की है। बताया जा रहा है कि पहाड़ी से पहले थोड़ा मलबा गिरा। इसके बाद ड्राइवर गाड़ी से बाहर भागा। देखते ही देखते बड़ी-बड़ी चट्टानें भी गाड़ी पर गिरने लगी। बता दें कि, प्रदेश में अप्रैल में सामान्य से 52 प्रतिशत अधिक बारिश हो चुकी है। इससे कई जगह लैंडस्लाइड की घटनाएं देखने को मिल रही हैं। बीती रात में भी राज्य के कई हिस्सों में तेज बारिश हुई। सलापड़ में सबसे ज्यादा 21.0 मिमी, सलूणी 18.3 मिमी, कुकुमसैरी 14.4, सांगला 7.8, कल्पा 5.2, सराहन 3.0, भरमौर 2.0, सियोबाग 1.8 और जोगेंद्रनगर में 1.0 मिलीमीटर बारिश हुई।

अभिषेक बनर्जी की अमित शाह को खुली चुनौती... मतगणना के दिन कोलकाता में मौजूद रहें

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक माहौल काफी गर्माया हुआ है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता और सांसद अभिषेक बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को खुली चुनौती देकर कहा कि अगर उनमें हिम्मत हैं, तब वे 4 मई, यानी मतगणना के दिन कोलकाता में मौजूद रहें। उन्होंने यह बयान पूर्वी मेदिनीपुर जिले के भगवानपुर में चुनावी रैली के दौरान दिया।

टीएमसी महासचिव बनर्जी ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस फिर सत्ता में वापसी करेगी और ममता जी चौथी बार मुख्यमंत्री बनेंगी। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह चुनाव से पहले टीएमसी कार्यकर्ताओं को डराने और धमकाने की कोशिश में जुटी है। उनके अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्री की ओर से संदेश दिया जा रहा है कि तृणमूल कार्यकर्ता घर से बाहर न निकलें, अन्यथा उन्हें जेल भेज दिया जाएगा। इस पर पलटवार कर अभिषेक ने कहा कि बंगाल की जनता को डराने की हिम्मत किसी में नहीं है।

उन्होंने इशारों-इशारों में कहा कि उनके पास ब्लॉक और पंचायत स्तर तक की एक सूची तैयार है, जिसके आधार पर ÷मूलधन और ब्याज सहित हिसाब चुकता÷ होगा। इस बयान को राजनीतिक जवाबी कार्रवाई के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। दूसरी ओर, भाजपा पहले ही आरोप लगा चुकी है कि टीएमसी के शासन में उसके कई कार्यकर्ताओं की हत्या हुई और उन्हें लगातार प्रताड़ित किया गया। अभिषेक ने इस चुनाव को 'दिल्ली की सत्ता बनाम बंगाल के लोग' की लड़ाई बताया। उन्होंने कहा कि एक ओर केंद्र की शक्तिशाली सरकार और उसके संसाधन हैं, जबकि दूसरी तरफ बंगाल के करोड़ों लोग और एक साधारण महिला ममता जी खड़ी हैं। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह बंगालियों को 'बांग्लादेशी' कहकर और उनके खान-पान पर टिप्पणी करके उनका अपमान कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने राज्य सरकार की लोकप्रिय योजनाओं, विशेषकर 'लक्ष्मी भंडार' का उल्लेख कर भरोसा दिलाया कि टीएमसी सरकार बनने पर ये योजनाएं जारी रहेंगी। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे अपने वोट के जरिए इन आरोपों का जवाब दें। कुल मिलाकर, चुनाव से पहले दोनों प्रमुख दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप और राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है।

पीएम मोदी के चहेते और DJB के CEO कौशल राज शर्मा बने उपराज्यपाल के नए सचिव

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

राजधानी के प्रशासनिक गलियारों से इस वक्त की सबसे बड़ी खबर आ रही है। दिल्ली जल बोर्ड (DJB) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और 2006 बैच के तेज़-तर्रार द्वस अधिकारी कौशल राज शर्मा को दिल्ली के उपराज्यपाल (LG) तरनजीत सिंह संधू का नया सचिव नियुक्त किया गया है। कौशल राज शर्मा की गिनती प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबसे भरोसेमंद और विश्वसनीय अधिकारियों में होती है। यह नियुक्ति दिल्ली की प्रशासनिक व्यवस्था में एक बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखी जा रही है। कौशल राज शर्मा का अब तक का करियर उपलब्धियों से भरा रहा है। उनकी कार्यशैली और अनुशासन उन्हें अन्य अधिकारियों से अलग खड़ा करता है PM का भरोसा: उन्होंने प्रधानमंत्री के निर्वाचन क्षेत्र (वाराणसी) में बतौर जिलाधिकारी (DM) और फिर मंडलायुक्त (Divisional Commissioner) के रूप में लंबी और सफल पारी खेली। P में अहम भूमिका: दिल्ली आने से पहले, उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सचिव के रूप में भी अपनी सेवाएं दी हैं, जहाँ उन्होंने जटिल प्रशासनिक चुनौतियों का बखूबी सामना किया। DJB में सुधार: दिल्ली जल बोर्ड के CEO के रूप में उनके छोटे लेकिन प्रभावी कार्यकाल को भी काफी सराहा गया है। इस नियुक्ति की खबर मिलते ही राजस्थान के चिड़ावा और कौशल राज के पैतृक गांव में खुशी की लहर दौड़ गई है। कौशल राज शर्मा, रवि शर्मा चिड़ावा के भांजे हैं। नियुक्ति की सूचना मिलते ही उनके पैतृक निवास पर बधाइयों का तांता लग गया और मिठाइयां बांटी गईं। दिल्ली के उपराज्यपाल के सचिव का पद बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण होता है। तरनजीत सिंह संधू के साथ कौशल राज शर्मा की यह जुगलबंदी दिल्ली के विकास कार्यों और केंद्र-राज्य समन्वय में एक नई गति लाने की उम्मीद जगाती है। विशेष रूप से, उनका PMO और UP सरकार के साथ काम करने का अनुभव दिल्ली की पेचीदा प्रशासनिक कड़ियों को सुलझाने मेंने मददगार साबित होगा।

> 'यह पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। कौशल ने अपनी मेहनत और ईमानदारी से आज इस मुकाम को हासिल किया है।'
>
> **– रवि शर्मा (चिड़ावा), मामा**

पीयूष गोयल का हमला, तमिलनाडु में स्टालिन के भ्रष्टाचार और परिवारवाद की हार होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) सरकार पर भ्रष्टाचार और परिवारवाद का आरोप लगाकर विश्वास जाहिर किया कि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) 4 मई को अगली सरकार तमिलनाडू में बनाएगा। ऊटी दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि 4 मई को तमिलनाडु की जनता की सेवा के लिए नई सरकार बनेगी। उन्होंने दावा किया कि राज्य में रिश्वतखोरी व्यापक हुई है, अगर आज तमिलनाडु में युवा लड़के-लड़कियां सरकारी नौकरी चाहते हैं, तब उन्हें रिश्वत देनी पड़ती है। यह जनता को स्वीकार्य नहीं है, और वे कभी भी इसतहर के व्यक्ति को स्वीकार नहीं करने वाले हैं, जो तमिल संस्कृति विरोधी, तमिल महिलाओं विरोधी हो और रिश्वतखोरी को बढ़ावा देता हो। हम उदयनिधि स्टालिन को डीएमके के भावी मुख्यमंत्री उम्मीदवार के रूप में स्वीकार नहीं करते। उन्होंने कहा कि यह एक-परिवार का शासन भ्रष्टाचार और कुप्रशासन से भरा है और इसका अंत होगा। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (एआईएडीएमके), भाजपा, पीएमके, एएमएमके और अन्य सहयोगियों के नेतृत्व वाला एनडीए एक परिवार की तरह जनता की सेवा के लिए काम कर रहा है। चुनाव परिणाम को लेकर आश्वस्त केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि जीत निश्चित है। जीत हमारी होगी। लोग डीएमके के कुशासन और भ्रष्टाचार को नहीं भूलने वाले है।

एचडीएफसी बैंक मामले में नहीं निकला समाधान, डेढ़ घंटे की वार्ता बेनतीजा

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

शहर के पिलानी रोड स्थित एचडीएफसी बैंक से जुड़े लोन प्रकरण में विनोद कुमार पूनियां की आत्महत्या के बाद उत्पन्न विवाद का समाधान दूसरे दिन भी नहीं निकल सका। प्रशासन की मौजूदगी में बैंक प्रबंधन, परिजनों और आंदोलनकारियों के बीच करीब डेढ़ घंटे तक वार्ता हुई, लेकिन कोई सहमति नहीं बन पाई। आंदोलनकारियों ने पहले चिड़ावा बंद का ऐलान किया था, जिसे फिलहाल टाल दिया गया है और अब रविवार सुबह 8 बजे आगे की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। वार्ता के दौरान बैंक प्रबंधन ने मुंबई स्थित उच्च अधिकारियों से भी संपर्क कर प्रस्ताव रखा, जिसमें आधा लोन माफ करने और शेष राशि को बिना ब्याज के डेढ़ वर्ष में जमा कराने की बात कही गई, लेकिन परिजन व आंदोलनकारी इस पर सहमत नहीं हुए। उनकी मांग है कि एक करोड़ रुपये का मुआवजा, एक सरकारी नौकरी और पूरा लोन माफ किया जाए। साथ ही दोषी बैंक कर्मचारियों की गिरफ्तारी की भी मांग उठाई गई है। राजेंद्र फौजी सहित अन्य प्रतिनिधियों ने कहा कि जब तक सभी मांगें पूरी नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा।

भाजपा नेता राजेश दाहिया ने बजावा में रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का किया उद्घाटन

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

बजावा (पिलानी) में आयोजित रात्रिकालीन क्रिकेट टूर्नामेंट का गुरुवार को भाजपा नेता राजेश दाहिया ने फीता काटकर भव्य उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे खेल आयोजन युवाओं को नशे व गलत गतिविधियों से दूर रखते हैं और उन्हें खेलों के प्रति प्रेरित कर गांव में सकारात्मक वातावरण का निर्माण करते हैं। टूर्नामेंट रोशनी में रात्रिकालीन रूप से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें आसपास के कई गांवों की टीमें भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता में विजेता टीम को 1 लाख रुपये नगद पुरस्कार व ट्रॉफी तथा उपविजेता टीम को 51 हजार रुपये नगद पुरस्कार व ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। उद्घाटन मैच पिलानी खुर्द और ठींमाऊ बड़ी के बीच खेला गया। आयोजनकर्ता युवा टीम बजावा के रवि जांगिड़, केशव व उपेंद्र ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर पंचायत समिति सदस्य सुनील पूनिया, एईएन मायालाल, देवरोड़ सरपंच प्रतिनिधि अनूप नेहरा, विकास डुमोली, नरेंद्र पूनिया, विकास कसवा, राजेश गुरुजी, लीलाधर अवाना, राजेश जांगिड़, सुभाष मेघवाल, रामचंद्र मेघवाल, धर्मपाल ग्रामसेवक, हरिसिंह, सतवीर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

खराब मौसम के चलते 21 फ्लाइट्स दिल्ली से जयपुर डायवर्ट

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। राजधानी दिल्ली में बिगड़े मौसम और खराब विजिबिलिटी के चलते बीती रात कुल 21 फ्लाइट्स को जयपुर डायवर्ट करना पड़ा। इनमें घरेलू से लेकर अंतरराष्ट्रीय उड़ानें तक शामिल थीं। अचानक बढ़े ट्रैफिक से एयरपोर्ट पर देर रात तक हलचल बनी रही। इस दौरान डायवर्ट होकर पहुंचे पांच विमानों के पायलटों का ड्यूटी टाइम पूरा हो गया। ऐसे में एविएशन नियमों के अनुसार ह्यह्यड्यूटी टाइम समाप्त होने के बाद पायलट उड़ान संचालित नहीं कर सकते, जिसके बाद पैसेंजर्स को विमान से उतारकर बसों से दिल्ली भेजा गया।

नोबल गौरव सम्मान यात्रा 2026: ग्रामीण प्रतिभाओं को मिलेगा मंच

90' से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों का गांव-गांव में होगा अभिनंदन, शिक्षा व करियर मार्गदर्शन पर रहेगा विशेष फोकस

स्कूटी व साइकिल देकर किया जाएगा सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज़ पचेरी।

ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नोबल शिक्षण समूह, देवलावास द्वारा 'नोबल गौरव सम्मान यात्रा 2026' का आयोजन किया जा रहा है। इस अनूठी पहल के तहत गांव-गांव जाकर मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान किया जाएगा तथा शिक्षा और करियर निर्माण के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास किया जाएगा। नोबल एजुकेशन ग्रुप के निदेशक इंजीनियर संदीप नेहरा ने बताया कि इस वर्ष 10वीं और 12वीं में 97 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 3 विद्यार्थियों को स्कूटी देकर सम्मानित किया जाएगा। वहीं 92 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 36 विद्यार्थियों को साइकिल प्रदान की जाएगी। इसके अलावा 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को 'नोबल वॉच' देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह सम्मान कार्यक्रम गांव की चौपाल पर आयोजित होगा, जहां पूरे गांव की उपस्थिति में मेधावी विद्यार्थियों का अभिनंदन किया जाएगा। पिछले 25 वर्षों से चल रही इस परंपरा को ग्रामीणों द्वारा खूब सराहा जा रहा है और इसे सामाजिक प्रेरणा का एक सशक्त माध्यम माना जा रहा है। यात्रा का शुभारंभ 19 अप्रैल रविवार को भीर्र गांव के स्कूल मैदान से शाम 5:00 बजे होगा। इसके बाद यह यात्रा विभिन्न गांवों से गुजरते हुए 20 अप्रैल को भालोठ बस स्टैंड पर शाम 5:00 बजे पहुंचेगी। 26 अप्रैल को सुबह कुहाड़वास में अभिनंदन समारोह आयोजित किया जाएगा, जबकि उसी दिन शाम 5:00 देवलावास गांव के पंचायत घर के सामने प्रतिभाओं का भव्य सम्मान किया जाएगा।इस अभियान के दौरान विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के बीच संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, जिनमें करियर काउंसलिंग, शिक्षा के महत्व और भविष्य की दिशा पर मार्गदर्शन दिया जाएगा। यह पहल विद्यार्थियों को न केवल सम्मानित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें एक आदर्श नागरिक बनने के लिए प्रेरित करने का भी प्रयास है। नोबल शिक्षण समूह द्वारा इस यात्रा के लिए विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षकों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, ताकि कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित किया जा सके। हर गांव में इस आयोजन के दौरान उत्सव जैसा माहौल देखने को मिलेगा, जहां शिक्षा, संस्कार और संवाद के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव का संदेश दिया जाएगा। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे शिक्षा और सामाजिक उत्थान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। यह सम्मान यात्रा निश्चित रूप से मेधावी विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने और अन्य बच्चों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने का कार्य करेगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com